VRINDAVAN Books International

BASED ON
NEP/NCF

वर्णिका

हिंदी व्याकरण

Class

8

Written by :

Author's Team
(Vidyalaya Prakashan)

Vrindavan Books International
New Delhi

INDEX

Sl. No.	Book Name	Page No.
1.	वर्णिका हिंदी व्याकरण – VIII	3

Vrindavan Books International

New Delhi

Sales Office :

C-24, Jwala Nagar, Transport Nagar, Meerut - 250002

Ph. : 0121 - 2400630, 8899271392

Head Office :

A-102, Chandar Vihar, Delhi - 110092

e-mail : vidyalayaprakashan@yahoo.in

पाठ–1 : भाषा, और व्याकरण

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. 650 2. राष्ट्र भाषा का 3. 1949 ई०
4. भाषा 5. लिखित भाषा 6. राष्ट्र भाषा
7. परिनिष्ठत 8. ध्वनि संकेत 9. खड़ी बोली
10. मौखिक भाषा

ख. इनका सही मिलान कीजिए–

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. हिन्दी और संस्कृत	ग. देवनागरी
2. उर्दू	क. फारसी
3. अंग्रेजी	घ. रोमन
4. पंजाबी	ख. गुरुमुखी

ग. नीचे दिए गए शब्दों को खाली स्थानों में सही–सही भरिए –

1. भाषाएँ 2. शब्द विचार 3. वाक्य विचार
4. कन्नड़ 5. वर्ण–विचार

घ. निम्नलिखित वाक्यों के सामने सही (✓) तथा गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

1. (✓) 2. (✗) 3. (✓)
4. (✗) 5. (✗) 6. (✓)
7. (✓) 8.(✓) 9. (✓)
10. (✗)

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक पंक्ति में लिखिए।–

1. हमारे देश की राष्ट्रभाषा हिन्दी है।
2. हमारी राष्ट्रभाषा देवनागरी लिपि में लिखीजाती है।
3. हम अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए भाषा के तीन माध्यमों का प्रयोग

करते हैं – 1. मौखिक भाषा, 2. लिखित भाषा, 3. सांकेतिक भाषा

4. ट्रैफिक पुलिस के सिपाही का यातायात को संकेत द्वारा निर्देश देना।
5. तमिल भाषा भारत के तमिलनाडु राज्य में बोली जाती है।
6. व्याकरण के अंतर्गत हम तीन विचारों का अध्ययन करते हैं।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–

1. अपने विचारों या भावों को बोलकर, लिखकर व संकेत द्वारा प्रकट करने के साधन को हम भाषा कहते हैं।
2. वह साधन जिसके द्वारा हम अपने विचारों को लिखकर प्रकट करते हैं, लिखित भाषा कहलाती है।
3. 'मौखिक भाषा, विचारों को व्यक्त करने का एक माध्यम है।' इसका एक उदाहरण है–मित्र को पत्र लिखना।
4. भाषा के प्रमुख तीन रूप हैं– 1. मौखिक भाषा, 2. लिखित भाषा, 3. सांकेतिक भाषा।

   मौखिक भाषा–जब हम अपने मन के विचारों या भावों को दूसरों के समक्ष मुख द्वारा बोलकर प्रकट करते हैं, तो इसे मौखिक भाषा कहते हैं।
5. भाषा के शुद्ध रूप संबंधी नियमों का ज्ञान कराने वाले शास्त्र को व्याकरण कहते हैं।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. भाषा के प्राय तीन माध्यम होते हैं –

   1. बोलकर (मौखिक भाषा) 2. लिखकर (लिखित भाषा)

   3. संकेत द्वारा (सांकेतिक भाषा)

   1. मौखिक भाषा – जब हम अपने विचारों को किसी व्यक्ति या प्राणी के समक्ष बोलकर प्रकट करते हैं, तब इसे मौखिक भाषा कहते हैं।

   उदाहरण– 1. भाषण देता हुआ नेता। 2. कहानी सुनाती हुई दादी।

   2. लिखित भाषा – जब हम अपने भाव अथवा विचारों को लिखकर प्रकट करते हैं, तब यह माध्यम, लिखित भाषा कहलाता है।

   उदाहरण – 1. पत्र लिखता हुआ लड़का। 2. निबंध लिखता हुआ लड़का।

   3. सांकेतिक भाषा – जब हम अपने मन के भाव अथवा विचार किसी दूसरे व्यक्ति के लिए न तो बोलकर और न ही लिखकर प्रकट करते हैं, बल्कि

इशारे अथवा संकेत द्वारा प्रकट करते हैं, तब भाषा के इस माध्यम को सांकेतिक भाषा कहते हैं।

उदाहरण – 1. चौराहे पर खड़ा यातायात पुलिस का सिपाही इशारा करते हुए।

2. बस को हाथ देती सवारी।

2. **बोली**–भाषा के जिन रूपों का प्रयोग साधारण जनता अपने समूह या घरों में करती है, उसे बोली कहते हैं। भारतवर्ष में लगभग 650 बोलियाँ बोली जाती हैं, जो देश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचलित हैं।

   परिनिष्ठित भाषा– किसी भी बोली को जब व्याकरण से परिष्कृत किया जाता है, तब वह परिनिष्ठित भाषा बन जाती है।

3. व्याकरण के तीन भेद हैं –

   1. वर्ण–विचार, 2. शब्द–विचार, 3. वाक्य–विचार

   1. **वर्ण–विचार**–इसके अंतर्गत वर्णों (अक्षरों) के रूप, भेद, प्रयोग तथा उनकी उत्पत्ति के संबंध में ज्ञान कराया जाता है।

   2. **शब्द–विचार**–इसके अंतर्गत शब्दों के रूप, भेद, प्रयोग तथा उनकी उत्पत्ति से संबंधित ज्ञान कराया जाता है।

   3. **वाक्य–विचार** – इसके अंतर्गत वाक्यों की निर्माण विधि, वाक्यों के भेद, विराम चिह्न, वाक्य अलंकरण के भिन्न–भिन्न साधनों का वर्णन किया जाता है।

4. कोई भी मनुष्य शुद्ध भाषा का पूर्ण ज्ञान व्याकरण के बिना प्राप्त नहीं कर सकता। अतः भाषा और व्याकरण का घनिष्ठ संबंध है। व्याकरण भाषा में उच्चारण, शब्द–प्रयोग, वाक्य–गठन तथा अर्थों के प्रयोग के रूप को निश्चित करता है।

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. संकेत संबंधी 2. मुख से कहा हुआ 3. लिखा हुआ 4. लिखने की क्रिया

ङ. निम्नलिखित को शुद्ध करके पुनः लिखिए–

1. हम बाजार जाते हैं। 2. कवयित्री 3. परिनिष्ठित 4. राम एक अच्छा लड़का है। 5. गुरुमुखी

पाठ–2 : वर्ण विचार

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. अक्षर 2. स्वर 3. ऊ

4. ग्यारह 5. दो 6. ृ

7. अ, इ, उ 8. खीरा, जीरा, मेला 9. 'त' वर्ग के व्यंजन

10. योगरूढ़ शब्द

ख. निम्नलिखित शब्दों का 'देशज' तथा 'विदेशी' से सही मिलान कीजिए–

देशज	**विदेशी**
लोटा, थाली	उम्मीद
पेट, रसीद	फीता
खिचड़ी, स्याही	गमला
पेट, पैसा	

ग. निम्नलिखित में से तत्सम तथा तद्भव छाँटिए –

	तत्सम शब्द	**तद्भव शब्द**
1.	कृष्ण, घृत, हस्ती	किताब
2.	उष्ट्र, दंत	कुत्ता, घर
3.	नव, पिपासा	थार, सूत्र
4.	सत्य, भ्रमर	सच, नाक
5.	नेत्र, उज्ज्वल	जीभ, नाव

घ. नीचे दिए गए वाक्यों के प्रकार लिखिए–

1. विस्मयादिबोधक वाक्य 2. संकेतवाचक वाक्य 3. प्रश्नवाचक वाक्य

4. निषेधवाचक वाक्य 5. आज्ञावाचक वाक्य 6. मिश्रित वाक्य

7. विधानवाचक वाक्य 8. विस्मयादिबोधक वाक्य

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।–

1. अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ
2. भाषा में प्रयोग होने वाली वे छोटी–से–छोटी ध्वनियाँ, जिनके और अधिक टुकड़े न किये जा सकें, उन्हें वर्ण कहते हैं, जैसे–अ, आ, क्, ख्, ...आदि।

3. स्पर्श व्यंजनों को पाँच भागों में बाँटा गया है।
4. अर्थ के आधार पर शब्द के छः भेद हैं। उनके नाम 1. पर्यायवाची शब्द, 2. विपरीतार्थक शब्द, 3. समरूप भिन्नार्थक शब्द, 4. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, 5. अनेकार्थी शब्द, 6. एकार्थक प्रतीत होने वाले शब्द।
5. वाक्य का वह भाग, जिससे किसी के विषय में कुछ कहने की जानकारी मिले, वाक्य में उद्देश्य होता है।
6. 'राम बाजार जाता है।' इस वाक्य में विधेय ' बाजार जाता है' है।
7. अच्छा-अच्छे, कुत्ता-कुत्ते, घोड़ा-घोड़ी

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. भाषा में प्रयोग होने वाली वे छोटी-से-छोटी ध्वनियाँ, जिनके और अधिक टुकड़े न किये जा सकें, उन्हें वर्ण कहते हैं, जैसे-अ, आ, क्, ख्, ...आदि। ये दो प्रकार के होते हैं। स्वर तथा व्यंजन।
2. प्रत्येक स्वर की अपनी मात्रा होती है जो एक विशिष्ट चिह्न के रूप में होती है। इन मात्राओं की ध्वनियाँ तथा आवाजें भिन्न-भिन्न होती हैं।
   स्वर के भेद-उच्चारण के आधार पर स्वर में निम्न तीन भेद हैं - ह्रस्व, दीर्घ, प्लुत। जो वर्ण स्वरों की सहायता से बोले जाते हैं, उन्हें व्यंजन कहते हैं। ये तीन प्रकार के होते हैं:-1. स्पर्श व्यंजन, 2. अंतः स्थ व्यंजन, 3. ऊष्म व्यंजन 4. संयुक्त व्यंजन
3. स्पर्श व्यंजन

वर्ग		**व्यंजन**			
'क' वर्ग	क	ख	ग	घ	ङ
'च' वर्ग	च	छ	ज	झ	ञ
'ट' वर्ग	ट	ठ	ड	ढ	ण
'त' वर्ग	त	थ	द	ध	न
'प' वर्ग	प	फ	ब	भ	म

4. 1. उद्देश्य - वाक्य का वह भाग, जिससे किसी के विषय में कुछ कहने की जानकारी मिले, वाक्य में उद्देश्य होता है जैसे-सीमा खाना पका रही है। इस वाक्य में सीमा के विषय में कुछ कहा जा रहा है, अतः सीमा उद्देश्य है।
   2. विधेय - उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाए, वह विधेय कहलाता है।

विधेय के अंतर्गत क्रिया तथा कर्म आते हैं; जैसे–सीमा खाना पका रही है। यहाँ उद्देश्य सीमा के बारे में 'खाना पका रही है' कहा जा रहा है, अत: यह विधेय है।

5. निषेधवाचक वाक्य – जिन वाक्यों में किसी बात या कार्य के न होने या न करने का भाव प्रकट होता है, उन्हें निषेधात्मक वाक्य कहते हैं।
   जैसे – 1. चिंकी शैतानी नहीं करती। 2. सुरेश, तुम अधिक मत बोलो।
6. उत्पत्ति के आधार पर शब्द चार प्रकार के होते हैं।
   1. तत्सम शब्द – गृह, पुष्प, ताम्र आदि।
   2. तद्भव शब्द – घर, फूल, ताँबा आदि।
   3. देशज शब्द – गाड़ी, रोटी, थैला आदि।
   4. विदेशी शब्द – औलाद, कमरा, बिगुल, बाल्टी, फीता आदि।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद – अर्थ के आधार पर वाक्य के निम्न भेद हैं–

   1. विधानवाचक 2. निषेधवाचक 3. प्रश्नवाचक
   4. आज्ञावाचक 5. विस्मयादिबोधक 6. संकेतवाचक
   7. संदेहवाचक 8. इच्छावाचक

   1. विधानवाचक वाक्य – जिन वाक्यों से किसी कार्य के होने या करने का बोध हो, उन्हें विधानवाचक वाक्य कहते हैं।
   उदाहरण – 1. सीमा गाना गा रही है। 2. सूर्य चमक रहा है।
   2. निषेधवाचक वाक्य – जिन वाक्यों में किसी बात या कार्य के न होने या न करने का भाव प्रकट होता है, उन्हें निषेधवाचक वाक्य कहते हैं।
   उदाहरण – 1. चिंकी शैतानी नहीं करती।
   2. सुरेश, तुम अधिक मत बोलो।
   3. प्रश्नवाचक वाक्य – जिन वाक्यों में प्रश्न पूछा जाए या किया जाए, वे प्रश्नवाचक वाक्य कहलाते हैं।
   उदाहरण – 1. तुम्हारा क्या नाम है ? 2. क्या आप दिल्ली जा रहे हैं ?
   4. आज्ञावाचक वाक्य – इन वाक्यों में किसी बात या कार्य के लिए आज्ञा, उपदेश अथवा प्रार्थना का भाव निहित रहता है।
   उदाहरण – 1. तुम जा सकते हो। 2. सदा सत्य बोलो।

5. विस्मयादिबोधक वाक्य – जिन वाक्यों में हर्ष, विषाद, करूणा, शाबाशी घृणा अथवा आश्चर्य का भाव प्रकट हो, वे विस्मयादिबोधक वाक्य कहलाते हैं।

उदाहरण – 1. वाह ! क्या जीता है भारत।

2. ओह ! कितनी गहरी चोट लगी है।

6. संकेतवाचक वाक्य – इन वाक्यों में एक कार्य का होना या न होना, दूसरे कार्य के होने या न होने पर निर्भर रहता है।

उदाहरण –1. यदि इस वर्ष इसी प्रकार सूखा पड़ता रहा, तो मँहगाई पाँव पसार लेगी।

2. अगर रेलगाड़ी समय से आ गई, तो मैं भी समय से पहुँच जाऊँगा।

7. संदेहवाचक वाक्य – जिन वाक्यों में संदेह या संभावना का आभास हो, वे संदेहवाचक वाक्य कहलाते हैं।

उदाहरण – 1. शायद आज वर्षा हो ।

2. इस थैले में विस्फोटक सामग्री हो सकती है।

8. इच्छावाचक वाक्य – जिन वाक्यों में इच्छा का भाव प्रकट हो, वे इच्छावाचक वाक्य कहलाते हैं।

उदाहरण – 1. हे ईश्वर ! मेरे कारोबार में दिनोंदिन प्रगति हो।

2. भगवान उसका भला करे।

2. स्वतंत्र रूप से उच्चारित वे वर्ण जो अन्य वर्णों का सहारा नहीं लेते, स्वर कहलाते हैं। प्रत्येक स्वर की अपनी मात्रा होती है जो एक विशिष्ट चिह्न के रूप में होती है। इन मात्राओं की ध्वनियाँ तथा आवाजें भिन्न-भिन्न होती हैं। स्वर के भेद-उच्चारण के आधार पर स्वर में निम्न तीन भेद हैं – ह्रस्व, दीर्घ, प्लुत।

स्वर की मात्राएँ-

1. अ	कोई मात्रा नहीं होती	हल, जल, पल, बल, कमल।
2. आ	ा	काजल, मकान, गमला, जाल।
3. इ	ि	किताब, हिसाब, पिताजी, किरन
4. ई	ी	दीपक, कीड़ा, हीरा, मीरा।
5. उ	ु	सुनार, पुस्तक, दुकान।
6. ऊ	ू	पूरन, कूप, शूल, जूली, नूरी

7. ऋ	ृ	कृष्ण, तृष्णा, वृक्ष, कृषक, वृष।
8. ए	े	मेल, खेल, देखना, केला, चेला।
9. ऐ	ै	थैला, पैसा, कैसा, वैसा, हैरान
10. ओ	ो	कोमल, कोयल, दो, जोकर, मोर
11. औ	ौ	कौआ, जौ, गौ, दौरा, दौरान, मौका

स्वरों के निम्न तीन भेद हैं –

1. ह्रस्व स्वर – इन स्वरों के उच्चारण में अल्प समय लगता है, ये हैं – अ, इ, उ तथा ऋ।

2. दीर्घ स्वर – इन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वरों की अपेक्षा अधिक समय लगता है, ये हैं – आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।

3. प्लुत स्वर – इस स्वर के उच्चारण में सर्वाधिक समय लगता है। इस स्वर का प्रयोग अधिकतर संस्कृत भाषा में किया जाता है। यह संख्या में एक है, जो है – ३ । जैसे – ओ३म।

3. स्पर्श व्यंजन

वर्ग		**व्यंजन**			
'क' वर्ग	क	ख	ग	घ	ङ
'च' वर्ग	च	छ	ज	झ	ञ
'ट' वर्ग	ट	ठ	ड	ढ	ण
'त' वर्ग	त	थ	द	ध	न
'प' वर्ग	प	फ	ब	भ	म
अंतः स्थ व्यंजन	य	र	ल	व	
ऊष्म व्यंजन	श	ष	स	ह	
संयुक्त व्यंजन	क्ष (क् + ष)		त्र (त् + र)		
	ज्ञ (ज् +ञ)		श्र (श् + र)		

4. श्वास के आधार पर व्यंजन दो प्रकार के होते हैं –

1. अल्पप्राण व्यंजन – अल्पप्राण व्यंजन, उन व्यंजनों को कहते हैं जिनके उच्चारण में श्वास कम मात्रा में निकलती है। ये स्पर्श व्यंजन के वर्गों के पहले, तीसरे, पाँचवे अक्षर होते हैं; जैसे – क, ग, ड़, च, ज, ञ आदि। इसके अतिरिक्त 'ङ' और अंतः स्थ व्यंजन (य, र, ल, व, अल्पप्राण व्यंजन।

2. महाप्राण व्यंजन – वे व्यंजन जिनके उच्चारण में श्वास अधिक मात्रा में बाहर निकले तथा आवाज देर तक खिंचे, उन्हें महाप्राण व्यंजन कहते हैं, जैसे – ख, घ, थ, ढ आदि। स्पर्श व्यंजनों के प्रत्येक वर्ग के दूसरे तथा चौथे व्यंजन तथा सभी ऊष्म व्यंजन (श, ष, स, ह) महाप्राण व्यंजन है।

5. शब्दों का वह मेल जिससे बात पूरी तरह समझ में आ जाए, उसे वाक्य कहते हैं ।

   वाक्य के दो अंग हैं – 1. उद्देश्य, 2. विधेय

   1. उद्देश्य – वाक्य का वह भाग, जिससे किसी के विषय में कुछ कहने की जानकारी मिले, वाक्य में उद्देश्य होता है, जैसे – सीमा खाना पका रही है। इस वाक्य में सीमा के विषय में कुछ कहा जा रहा है, अतः सीमा उद्देश्य है।

   2. विधेय – उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाए, वह विधेय कहलाता है। विधेय के अंतर्गत क्रिया तथा कर्म आते हैं; जैसे – सीमा खाना पका रही है। यहाँ उद्देश्य सीमा के बारे में 'खाना पका रही है' कहा जा रहा है, अतः यह विधेय है।

   वाक्य के प्रमुख प्रकार – अर्थ तथा रचना के आधार पर वाक्य अनेक के होते हैं। (किताब के पेज 16 से देखें।)

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. पैदा होना 2. रोजाना 3. जुड़ा हुआ

4. श्वास साँस

ङ. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए–

1. राम बाजार जाता है। 2. सुरेश ताजमहल देखने गया है।

3. मैं प्रतिदिन विद्यालय जाता हूँ। 4. क्या राम खाना खा रहा है?

5. शाबाश! क्या बहादुरी दिखाई है। 6. शायद आज बरसात होगी।

पाठ–3 : संज्ञा

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. संज्ञा 2. संज्ञा 3. कुत्ते भौंक रहे हैं।

4. भाववाचक संज्ञा के 5. चतुरता 6. राधेश, सीता, मोहन

7. पाँच　　8. भाववाचक संज्ञाएँ　　9. सफल–सफलता

10. अवस्था का नाम

ख. इनका सही मिलान कीजिए –

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
1. बुलाना	ख. बुलावा
2. सजना	घ. सजावट
3. फिसलना	ग. फिसलन
4. दिखाना	क. दिखावट

ग. निम्नलिखित संज्ञा शब्दों में से भाववाचक, व्यक्तिवाचक तथा जातिवाचक संज्ञा छाँटकर अलग–अलग लिखिए–

व्यक्तिवाचक	जातिवाचक	भाववाचक
भारत, मीराबाई	नदी, बुढ़ापा, पहाड़	यौवन, मित्रता
तुलसीदास, अकबर	किताब, सेना, गाय	गरमी, दु:ख
कबीरदास	शेर, पक्षी, छात्र	

घ. नीचे लिखे वाक्यों में आए संज्ञा शब्दों तथा उनके भेदों को लिखिए–

संज्ञा शब्द	भेद का नाम		
1. दुकानदार	जातिवाचक संज्ञा		
2. स्वास्थ्य	भाववाचक संज्ञा		
3. मोहन	व्यक्तिवाचक संज्ञा		
4. भारतीय सेना	समूहवाचक संज्ञा		
5. इमारत	जातिवाचक संज्ञा		
6. गाय	जातिवाचक संज्ञा		
7. कारीगर	जातिवाचक संज्ञा		
8. सेविका	जातिवाचक संज्ञा,	ममत्व	भाववाचक संज्ञा

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक पंक्ति में लिखिए।–

1. किसी व्यक्ति, प्राणी, वस्तु अथवा अवस्था या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं; जैसे– राम, कुर्सी, हाथी आदि।
2. निजत्व

3. 'कबूतर' शब्द जातिवाचक संज्ञा है।
4. संज्ञा पाँच प्रकार की होती है– 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा, 2. जातिवाचक संज्ञा, 3. भाववाचक संज्ञा, 4. समूहवाचक संज्ञा 5. द्रव्यवाचक संज्ञा
5. 'किसी की बुराई मत करो।' इस वाक्य में संज्ञा भाववाचक है।
6. किसी संपूर्ण जाति का बोध कराने वाले शब्द जातिवाचक संज्ञा होते हैं।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छ: पंक्तियों में लिखिए–

1. किसी व्यक्ति, प्राणी, वस्तु अथवा अवस्था या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं; जैसे– राम, कुर्सी, हाथी आदि।

   संज्ञा के निम्न तीन भेद हैं –

   1. व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. जातिवाचक संज्ञा 3. भाववाचक संज्ञा

   4. समूहवाचक संज्ञा 5. द्रव्यवाचक संज्ञा
2. गीता, रामायण, कार, मंदिर, बुढ़ापा, कक्षा, दिल्ली, मैदान, पक्षी, हिमालय, गंगा, हाथी।
3. भाववाचक संज्ञा – जो संज्ञा शब्द किसी व्यक्ति या प्राणी के गुण–दोष, अवस्था, दशा, भाव आदि का बोध कराते हैं, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं। उदाहरण–वीरता, बेईमानी, बालपन आदि।
4. जातिवाचक संज्ञा– जो संज्ञा शब्द किसी नाम की संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, जातिवाचक संज्ञा कहलाते हैं, जैसे–लड़के बाजार को जा रहे हैं।

   यहाँ पर 'लड़के' एक ऐसा नाम है, जो कई नामों वाले लड़कों की एक जाति का बोध कराता है। इसलिए 'लड़के' जातिवाचक संज्ञा है।

   व्यक्तिवाचक संज्ञा – जो संज्ञा शब्द किसी विशिष्ट व्यक्ति, प्राणी, वस्तु अथवा स्थान आदि के नामों का बोध कराते हैं, उन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे–

   1. चिंकी पढ़ रही है। 2. ताजमहल बहुत सुंदर है।

   3. कोयल कू–कू कर रही है।

   यहाँ चिंकी, ताजमहल तथा कोयल व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ हैं।
5. व्यक्तिवाचक संज्ञा – जो संज्ञा शब्द किसी विशिष्ट व्यक्ति, प्राणी, वस्तु अथवा स्थान आदि के नामों का बोध कराते हैं, उन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे–

1. चिंकी पढ़ रही है। 2. ताजमहल बहुत सुंदर है।

यहाँ चिंकी, ताजमहल तथा कोयल व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ हैं।

जातिवाचक संज्ञा– जो संज्ञा शब्द किसी नाम की संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, जातिवाचक संज्ञा कहलाते हैं, जैसे– 1. लड़के बाजार को जा रहे हैं।

2. पक्षी आकाश में उड़ रहे हैं।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए–

1. जातिवाचक संज्ञा– जो संज्ञा शब्द किसी नाम की संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, जातिवाचक संज्ञा कहलाते हैं, जैसे–लड़के बाजार को जा रहे हैं।

   यहाँ पर 'लड़के' एक ऐसा नाम है, जो कई नामों वाले लड़कों की एक जाति का बोध कराता है। इसलिए 'लड़के' जातिवाचक संज्ञा है।

   भाववाचक संज्ञा – जो संज्ञा शब्द किसी व्यक्ति या प्राणी के गुण–दोष, अवस्था, दशा, भाव आदि का बोध कराते हैं।, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं। उदाहरण–वीरता, बेईमानी, बालपन आदि।

2. किसी व्यक्ति, प्राणी, वस्तु अथवा अवस्था या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं; जैसे– राम, कुर्सी, हाथी आदि।

विशेषण	**भाववाचक संज्ञा**	**विशेषण**	**भाववाचक संज्ञा**
मीठा	मिठास	पापी	पाप
सुंदर	सुंदरता	प्यासा	प्यास
बुरा	बुराई		

3. समूहवाचक संज्ञा तथा द्रव्यवाचक संज्ञा जातिवाचक संज्ञा के भेद हैं।

   समूहवाचक संज्ञा – जो संज्ञा शब्द किसी समूह, समुदाय या झुण्ड का बोध कराते हैं, समूहवाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे – भीड़, सभा, कक्षा, सेना, गोष्ठी, मंडल, सत्ता, संघ, गुच्छे आदि।

   द्रव्यवाचक संज्ञा – जो संज्ञा शब्द किसी द्रव्य, पदार्थ या धातु का बोध कराते हैं, उन्हें द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे – घी, दूध, पानी, सोना, पीतल, चाँदी, ताँबा, लोहा, लकड़ी, चावल, गेहूँ आदि।

4. 1. हिमालय पर्वतों का राजा है। हिमालय – व्यक्तिवाचक संज्ञा

   2. विराट कोहली एक महान खिलाड़ी है। विराट कोहली–व्यक्तिवाचक संज्ञा

   खिलाड़ी–जातिवाचक संज्ञा

3. दही में खटास कम है। खटास–भाववाचक संज्ञा

4. मैंने सोने के आभूषण पहनें। सोने–द्रव्यवाचक संज्ञा

4. मेरे परिवार में दस सदस्य हैं। परिवार–समूहवाचक संज्ञा

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. वस्तु, व्यक्ति और स्थान का भाव बताने वाला 2. जाति बतानेवाला

3. व्यक्ति का बोध कराने वाला 4. समूह का बोध कराने वाला

ङ. निम्नलिखित को शुद्ध करके पुनः लिखिए –

1. निजत्व 2. राकेश अपनी ईमानदारी के लिए प्रसिद्ध है।

3. मैं अपना कार्य स्वयं कर लूँगा। 4. राजेश स्कूल जाता है।

5. हरि के पास तीन भेड़ें थीं।

पाठ–4 : लिंग

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. पुल्लिंग 2. तीन

3. उपरोक्त 'अ' व 'ब' दोनों 4.सदैव स्त्रीलिंग होते हैं

5. नाली 6. तेजस्वी 7. कर्त्री

8. कवयित्री 9. वर 10. दाता

ख. इनका सही मिलान कीजिए–

स्तम्भ 'अ'	**स्तम्भ 'ब'**
1. शिष्य	ग. शिष्या
2. प्राचार्य	क. प्राचार्या
3. धावक	ङ. धाविका
4. संरक्षक	ख. संरक्षिका
5. तेजस्वी	घ. तेजस्विनी

ग. नीचे दिए गए शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए–

श्रीमान–श्रीमती स्वामिनी–स्वामी अध्यक्ष–अध्यक्षा

अभिनेता–अभिनेत्री प्रचारक–प्रचारिका कहार–कहारिन

कवि–कवयित्री	बिल्ली–बिल्ला	विद्वान–विदुषी
ग्वालिन–ग्वाला		

घ. रगीन शब्दों के लिंग का नाम (पुल्लिंग/स्त्रीलिंग) संबंधित वाक्य के सामने लिखिए–

1. स्त्रीलिंग	2. स्त्रीलिंग	3. पुल्लिंग
4. स्त्रीलिंग	5. पुल्लिंग	6. स्त्रीलिंग
7. पुल्लिंग		

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।–

1. संज्ञा के जिस रूप से उसके पुरुष या स्त्री होने का बोध हो अथवा वे संज्ञा शब्द, जिनसे बोध हो कि वह पुरुष है अथवा स्त्री, लिंग कहलाते हैं।
2. लिंग के दो भेद हैं– 1. पुल्लिंग, 2. स्त्रीलिंग
3. स्त्रीलिंग शब्दों के तीन उदाहरण–शेरनी, छात्रा, कुर्सी।
4. पुल्लिंग शब्दों के पाँच उदाहरण–शेर, छात्र, पिता, पंखा, लड़का।
5. 'गाय' शब्द का पुल्लिंग रूप बैल है।
6. नहीं 'मुख्यमंत्री' शब्द का लिंग बदलकर नहीं लिखा जा सकता है।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–

1. संज्ञा के जिए रूप से उसके पुरुष या स्त्री होने का बोध हो अथवा वे संज्ञा शब्द, जिनसे बोध हो कि वह पुरुष है अथवा स्त्री, लिंग कहलाते हैं।

   लिंग के प्रकार –

   1. पुल्लिंग–शेर, छात्र   2. स्त्रीलिंग–शेरनी, छात्रा

   2. नदी, कुर्सी, आँख, पृथ्वी, मेथी।

   3. टमाटर, पानी, दूध, पहाड़, समोसा।

4.

'ता' पुल्लिंग	**'त्री' स्त्रीलिंग**	**'ता' पुल्लिंग**	**'त्री' स्त्रीलिंग**
दाता	दात्री	विधाता	विधात्री
नेता	नेत्री	कर्ता	कर्त्री
प्रबंधकर्ता	प्रबंधकर्त्री		

5.

'वान' पुल्लिंग	**'वती' स्त्रीलिंग**	**'वान' पुल्लिंग**	**'वती' स्त्रीलिंग**
सौभाग्यवान	सौभाग्यवती	पुत्रवान	पुत्रवती

बलवान बलवती

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. पुल्लिंग– वे संज्ञा शब्द जिनसे उनके पुरुष जाति में होने का बोध हो अथवा जो नर के रूप में बोध कराते हों, पुल्लिंग कहलाते हैं।

   उदाहरण–घोड़ा, हाथी, घर, कुँआ।

   स्त्रीलिंग – वे संज्ञा शब्द जिनसे उनके स्त्री जाति में होने का बोध हो अथवा जो मादा के रूप में बोध कराते हों, स्त्रीलिंग कहलाते हैं।

   उदाहरण – घोड़ी, हथिनी, झोपड़ी, कुर्सी।

2. लिंग – संज्ञा के जिस रूप से उसके पुरुष या स्त्री होने का बोध हो अथवा वे संज्ञा शब्द, जिनसे बोध हो कि वह पुरुष है अथवा स्त्री, लिंग कहलाते हैं।

   लिंग के दो प्रकार– पुल्लिंग, स्त्रीलिंग।

   पुल्लिंग– वे संज्ञा शब्द जिनसे उनके पुरुष जाति में होने का बोध हो अथवा जो नर के रूप में बोध कराते हों, पुल्लिंग कहलाते हैं।

   उदाहरण–घोड़ा, हाथी, घर, कुँआ।

   स्त्रीलिंग – वे संज्ञा शब्द जिनसे उनके स्त्री जाति में होने का बोध हो अथवा जो मादा के रूप में बोध कराते हों, स्त्रीलिंग कहलाते हैं।

   उदाहरण – घोड़ी, हथिनी, झोंपड़ी, कुर्सी।

3. शरीर के कुछ अंग – आँख, कलाई, जीभ, एड़ी, उँगुली, जाँघ, टाँग आदि।

   नदियों के नाम–गंगा, यमुना, भागीरथी, कावेरी, गोमती, ब्रहह्मपुत्र, नर्मदा, कोसी, रावी आदि।

   कुछ मसालों के नाम–दालचीनी, लौंग, इलायची, सरसों, मेथी, मिर्च, सौंफ, हल्दी, सोंठ, अजवायन आदि।

   सब्जी के नाम–भिंडी, लौकी, मेथी, शिमला मिर्च, अरबी आदि।

4. कुछ आभूषणों के नाम – कंगन, कड़ा, झुमका, हार, टीका, मंगलसूत्र, बाजूबंद, कुंडल, बिछुआ आदि।

   कुछ पहनावों के नाम– पजामा, कुरता, कोट, टोप, दुपट्टा, मफलर, घाघरा, स्वेटर, पैंट, सूट।

घ. निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. मोहित करने वाली 2. प्रजा

3. अच्छे भाग्य वाली स्त्री

4. विधान करने वाली

ङ. इन्हें शुद्ध करके पुनः लिखिए –

1. कुत्ता रसोई में घुस गया।

2. खेत में जाट–जाटनी काम कर रहे हैं।

3. कुम्हारिन चाक को घुमा रही है।

4. मेज पर बिल्ली बैठी है।

5. कार्यालय में अध्यापिका काम कर रही हैं।

6. मोहन टेलीविजन देख रहा है।

7. राजू की आँखे हमेशा लाल रहती है।

8. लोकेश की साईकिल नयी है।

पाठ–5 : वचन

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. वे	2. दो
3. रानियाँ	4. भीड़
5. चिड़ियाँ	6. बहुवचन
7. कली–कलियाँ	8. पुस्तकें
9. संज्ञा शब्दों से	10. आदर के लिए

ख. इनका सही मिलान कीजिए–

स्तम्भ 'अ'	**स्तम्भ 'ब'**
1. विद्यार्थी	घ. विद्यार्थीगण
2. कला	ङ. कलाएँ
3. केला	च. केले
4. चूल्हे	ग. चूल्हा
5. बच्चा	ख. बच्चे
6. घड़ी	क. घड़ियाँ

ग. नीचे दिए गए शब्दों को रिक्त स्थानों में सही-सही भरिए-

1. कुसियाँ   2. पौधे   3. बंदर

4. चिड़ियाँ   5. बच्चे

घ. सत्य/असत्य लिखिए-

1. सत्य   2. सत्य   3. सत्य

4. सत्य   5. असत्य

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-

1. वचन दो प्रकार के होते हैं।
2. वचन से हमें संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध होता है।
3. एकवचन में एक संख्या का बोध होता है।
4. बहुवचन में एक से अधिक संख्याओं का बोध होता है।
5. 'माता' शब्द का बहुवचन रूप 'माताएँ' होता है।
6. 'पुस्तकों' का एकवचन रूप 'पुस्तक' है।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. संज्ञा/सर्वनाम शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं।

   उदाहरण - छात्रा-छात्राएँ, पुस्तक-पुस्तकें।

2. 1. एकवचन - संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा प्राणी के एक होने का बोध होता है, उसे एकवचन कहते हैं।

   उदाहरण- 1. कोयल कू-कू कर रही है।
   2. अध्यापक ने पाठ पढ़ाया।

   2. बहुवचन - संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा प्राणी के 'एक से अधिक' होने का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं।

   उदाहरण - 1. कौए डाल पर बैठे हैं।
   2. अध्यापकों ने भाषण दिया।

3. (क) जल-जग में जल भर लाओ।

   (ख) चाँदी-मैंने चाँदी की पायल खरीदी।

   (ग) पुलिस - पुलिस ने समय पर आकर चोरों को पकड़ लिया।

(घ) हवा – ठंडी हवा चल रही है।

(ङ) वर्षा – सुबह से वर्षा हो रही है।

4. (क) प्राण – भूख के मारे मेरे प्राण निकल रहे हैं।

(ख) आँसू – डाँट पड़ने पर रीतिका के आँसू निकल आए।

(ग) हस्ताक्षर – पिता जी ने मेरी उत्तर पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए।

(घ) लोग – फिल्म देखने के लिए बहुत-से लोग आए थे।

(ङ) दर्शन – हमने मंदिर में सभी भगवानों के दर्शन किए।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. एकवचन – संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा प्राणी के एक होने का बोध होता है, उसे एकवचन कहते हैं।

उदाहरण– 1. कोयल कू-कू कर रही है।

2. अध्यापक ने पाठ पढ़ाया।

2. बहुवचन – संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा प्राणी के 'एक से अधिक' होने का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं।

उदाहरण – 1. कौए डाल पर बैठे हैं।

2. अध्यापकों ने भाषण दिया।

एकवचन से बहुवचन बनाने के कोई चार नियम –

1. 'आकारांत' (आ) 'एकारांत' (ए) करके –

घोड़ा– घोड़े   चूल्हा – चूल्हे   बल्ला – बल्ले

2. शब्द के अंत में आए 'ई' को 'इयाँ' करके –

लड़की – लड़कियाँ   नदी – नदियाँ   विधि – विधियाँ

3. 'इकारांत' व 'ईकारांत' को 'इयों/इयाँ' करके –

मुनि – मुनियों   आदमी – आदमियों   रानी – रानियाँ

4. 'ऊ' को 'उएँ' करके –

जूँ – जुएँ   वधू – वधुएँ   लू – लुएँ

2.

आकारांत को एकारांत बनाना	**इकारांत को ईकारांत बनाना**
लड़का–लड़के	तिथि–तिथियाँ
केला–केले	नीति–नीतियाँ
कपड़ा–कपड़े	रीति–रीतियाँ

घोड़ा–घोड़े गति–गतियाँ

बच्चा–बच्चे विधि–विधियाँ

3. संज्ञा/सर्वनाम शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं।

उदाहरण – छात्रा–छात्राएँ, पुस्तक–पुस्तकें।

एकवचन के पाँच उदाहरण–

1. हाथी दौड़ रहा है।
2. बालिका खेलने जा रही है।
3. घोड़ा दौड़ रहा है।
4. लड़का पढ़ रहा है।
5. कपड़ा सूख रहा है।

बहुवचन के पाँच उदाहरण –

1. हाथी दौड़ रहे हैं।
2. बालिकाएँ खेलने जा रहीं हैं।
3. घोड़े दौड़ रहे हैं।
4. लड़के पढ़ रहे हैं।
5. कपड़े सूख रहे हैं।

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. एक का वाचक शब्द
2. संज्ञा की एक से अधिक संख्या का बोध कराने वाला शब्द।
3. संख्या का बोध कराने वाला।
4. बात, वाणी, शब्दों का संख्यावाचक।

ङ. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए –

1. मोर नाच रहे हैं।
2. कक्षा बच्चों से भरी हुई है।
3. हमारे देश में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं।
4. मेज पर बिल्ली बैठी है।
5. सुमीना, दया की सगी बहन है।

पाठ-6 : सर्वनाम

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

1. पुरुषवाचक सर्वनाम　2. संबंधवाचक सर्वनाम　3. प्रश्नवाचक सर्वनाम

4. सदैव बदलता है　5. वह इस कार्य को खुद कर लेगा

6. यही मेरा घर है।　7. वह　8. पुरुषवाचक सर्वनाम

9. मुझसे　10. संज्ञा के स्थान पर बोले जाते हैं।

ख. सही जोड़े बनाइए -

एकवचन	**बहुवचन**
तुझसे	तुमसे
आपको	आप लोगों को
किसे	किन्हें
इसका	इनका
किसमें	किनमें
जिससे	जिनसे
मुझको	हमको

ग. रिक्त स्थानों में सर्वनाम के सही रूप भरिए -

1. आप　2. तू　3. कोई

4. मैं　5. उसके　6. मेरी

7. वे　8. मुझे

घ. निम्न वाक्यों में आए सर्वनाम शब्द तथा उनके भेद लिखिए -

1. उसे - पुरुषवाचक सर्वनाम　2. कहाँ - प्रश्नवाचक सर्वनाम

3. कोई - अनिश्चवाचक सर्वनाम　4. उसे - पुरुषवाचक सर्वनाम

5. जैसा, वैसा-संबंधवाचक सर्वनाम

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-

1. सर्वनाम शब्द संज्ञा के स्थान पर बोले जाते हैं।
2. पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन उदाहरण - मैं, वह, आप

3. 'कोई' अनिश्चयवाचक सर्वनाम है।

4. सर्वनाम के निम्न छह प्रकार हैं–

   1. पुरुषवाचक सर्वनाम
   2. संकेतवाचक अथवा निश्चयवाचक सर्वनाम
   3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
   4. संबंधवाचक सर्वनाम
   5. निजवाचक सर्वनाम
   6. प्रश्नवाचक सर्वनाम

5. खुद, स्वयं

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–

1. संज्ञा के स्थान पर जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें सर्वनाम कहते हैं। सर्वनाम सभी संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त हो सकते हैं।

2. सर्वनाम के निम्न छह प्रकार हैं–

   1. पुरुषवाचक सर्वनाम
   2. संकेतवाचक अथवा निश्चयवाचक सर्वनाम
   3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
   4. संबंधवाचक सर्वनाम
   5. निजवाचक सर्वनाम
   6. प्रश्नवाचक सर्वनाम

   पुरुषवाचक सर्वनाम – जो सर्वनाम सुनने वाले या कहने वाले या जिसके विषय में कुछ कहा जाए, का बोध कराएँ, उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं।

3. पुरुषवाचक सर्वनाम – जो सर्वनाम सुनने वाले या कहने वाले या जिसके विषय में कुछ कहा जाए, का बोध कराएँ, उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं।

   उदाहरण – 1. तुम कल अलीगढ़ जाओगे।

   2. वह कार्यालय से अभी नहीं आया।

4. अन्य पुरूषवाचक सर्वनाम 'वह'

कारक	**एकवचन**	**बहुवचन**
कर्ता	वह, उसने	वे, उन्होंने
कर्म	उसे, उसको	उन्हें, उनको
करण	उससे, उसके द्वारा	उनसे, उनके द्वारा

संप्रदान	उसको, उसे, उसके लिए	उनके, उन्हें, उनके लिए
अपादान	उससे	उनसे
संबंध	उसका, उसकी, उसके	उनका, उनकी, उनके
अधिकरण	उसमें, उस पर	उनमें, उन पर

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए -

1. निश्चयवाचक सर्वनाम - पास अथवा दूर की वस्तु या व्यक्ति की ओर संकेत करने वाले सर्वनाम को संकेतवाचक अथवा निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

   उदाहरण- 1. यह साड़ी मेरे पास भी है। 2. वह श्वेता का कमरा है।

   अनिश्चयवाचक सर्वनाम - जिस सर्वनाम से किसी निश्चित प्राणी या वस्तु का बोध न हो, अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

   उदाहरण - 1. वहाँ कोई है जो तुमसे मिलने आया है ।

   2. तुमने कुछ खाया कि नहीं ?

2. अनिश्चयवाचक सर्वनाम - जिस सर्वनाम से किसी निश्चित प्राणी या वस्तु का बोध न हो, अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

   उदाहरण - 1. वहाँ कोई है जो तुमसे मिलने आया है ।

   2. तुमने कुछ खाया कि नहीं ?

   निश्चयवाचक सर्वनाम - पास अथवा दूर की वस्तु या व्यक्ति की ओर संकेत करने वाले सर्वनाम को संकेतवाचक अथवा निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

   उदाहरण- 1. यह साड़ी मेरे पास भी है। 2. वह श्वेता का कमरा है।

3. संबंधवाचक सर्वनाम - जो सर्वनाम, वाक्य के दूसरे सर्वनाम के साथ संबंध बताते हैं, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं।

   उदाहरण - 1. जैसी मेरी साड़ी है, वैसी ही तुम्हारी साड़ी है।

   2. उतना खाओ, जितना हजम कर सको।

   3. जिसने गोली मारी है, उसी को सजा मिलेगी।

4. प्रश्नवाचक सर्वनाम - जिस सर्वनाम का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए होता है, उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं। प्रश्नवाचक सर्वनाम हैं- किसने, कौन, क्या किसे आदि।

उदाहरण – 1. यह खाने की थाली किसे दूँ? 2. वहाँ कौन था ?

अनिश्चयवाचक सर्वनाम – जिस सर्वनाम से किसी निश्चित प्राणी या वस्तु का बोध न हो, अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उदाहरण – 1. वहाँ कोई है, जो तुमसे मिलने आया है ।

2. तुमने कुछ खाया कि नहीं ?

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. बीच का 2. सबसे अच्छा 3. प्रश्न का सूचक

4. जिसका निश्चय न हुआ हो

ङ. इन वाक्यों के शुद्ध करके पुनः लिखिए –

1. वह स्कूल जा रहा है।

2. हम किताब पढ़ रहे हैं।

3. उनकी यहाँ कल तक आने की सम्भावना है।

4. यह कार्य मैं अपने–आप कर लूँगा।

5. दिनेश ने खाना खा लिया है।

पाठ–7 : कारक

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. कर्ता कारक 2. ने 3. संबोधन कारक

4. अपादान कारक 5. संबंध कारक में 6. अपादान कारक

7. कारक 8. क्रिया होने के स्थान का

9. अनुराग 10. ए लड़के ! फूल मत तोड़।

ख. निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त कारक चिह्न लगाइए –

1. ने 2. को 3. में

4. से 5. में 6. की

7. शाबाश !

ग. निम्नलिखित वाक्यों तथा कारकों के नाम पढ़कर (✓) तथा गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

1. ✓✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗

5. ✗ 6. ✓ 7. ✓ 8. ✓

घ. निम्नलिखित संज्ञा शब्दों के सही रूप से वाक्यों को पूरा कीजिए–

1. हरीश 2. कुत्ते 3. हम
4. पत्ता 5. माला 6. भगवान
7. पानी 8. तोता 9. भिखारी
10. गाय

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।–

1. कर्म कारक का परसर्ग 'को' है।
2. कारक चिह्नों को विभक्ति चिह्न के नाम से जानते हैं।
3. 'हीरा ने पाठ याद किया।' इस वाक्य में 'हीरा' कर्ताकारक है।
4. अपादान कारक से अलग होने का भाव प्रकट होता है।
5. अधिकरण कारक से क्रिया के होने के स्थान का बोध होता है।
6. अरे ! इतना शोर क्यों मचा रखा है?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–

1. जिस रूप में संज्ञा या सर्वनाम का संबंध वाक्य की क्रिया से जाना जाए, उसे कारक कहते हैं।
2.

कारक	**कारक चिह्न**
1. कर्ता कारक	ने (कभी-कभी बिना चिह्न के भी)
2. कर्म कारक	को (कभी-कभी बिना चिह्न के भी)
3. करण कारक	से, के द्वारा
4. संप्रदान कारक	के लिए, को
5. अपादान कारक	से (पृथक् होना)
6. संबंध कारक	का, की, के, का
7. अधिकरण कारक	पर, में
8. संबोधन कारक	अरे !, हे !, अहा !

3. संबोधन कारक – शब्द के जिस रूप से किसी व्यक्ति/प्राणी को बुलाने अथवा पुकारे जाने का भाव प्रकट हो, उसे संबोधन कारक कहते हैं।

उदाहरण– 1. हे भगवान ! यह कैसी लीला है।

2. अरे श्याम! जरा इधर आना।

4. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया करने वाले का बोध हो, उसे कर्ता कारक कहते हैं। इसका कारक चिह्न 'ने' है।
5. संज्ञा या सर्वनाम जिस साधन की सहायता से कोई कार्य करते हैं, वह साधन करण कारक कहलाता है। इसका कारक चिह्न से है।

   उदाहरण – 1. मोहन ने पेंसिल से रेखा खींची।

   2. सैनिकों ने तोप से गोले दागे।

ग. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. काम करने वाला 2. काम, क्रिया 3. परसर्ग

घ. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए–

1. राम ने कुत्ते को डंडे से मारा। 2. वृक्ष से पत्ता गिरा।

3. इस कुएँ में बहुत पानी है। 4. वह तस्वीर रमेश की है।

5. वाह ! कितना सुन्दर फूल है।

पाठ–8 : विशेषण

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. गुणवाचक विशेषण

2. जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं।

3. संख्यावाचक विशेषण 4. अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

5. चार 6. नीला 7. संख्यावाचक विशेषण

8. बिकाऊ 10. सार्वनामिक विशेषण

ख. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण व विशेष्य शब्द छाँटकर लिखिए–

विशेषण शब्द	विशेष्य	विशेषण शब्द	विशेष्य
1. मेहनती	किसान	2. अकेला	व्यक्ति
3. कमजोर	बुढ़िया	4. मोटा	हाथी
5. चालाक	कौआ	6. नकलची	बंदर

7. ठंडा पानी

ग. नीचे दिए गए शब्दों को खाली स्थानों में सही-सही भरिए-

1. काली 2. मीठे 3. पतला

4. तीस ग्राम 5.विशेषता

घ. निम्नलिखित में जो परिमाणवाचक विशेषण है, उनके लिए (प) तथा जो संख्यावाचक विशेषण हैं, उनके लिए लिखिए-

दो दर्जन केले	स	एक लीटर तेल	प
एक किलो आम	प	दो मीटर कपड़ा	प
पाँच बतासे	स	आठ दिन	स

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए-

1. गुणवाचक विशेषण के कोई दो उदाहरण -मोटा, मीठा।
2. विशेषण संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं।
3. 'काला कोट' में विशेष्य कोट है।
4. 'मोहन बहुत लम्बा लड़का है।' इस वाक्य में प्रविशेषण बहुत है।
5. मोटा, भारी-भरकम, अतः हाथी गुणवाचक विशेषण वाला प्राणी है।
6. निश्चित संख्यावाचक विशेषण की पहचान यह है कि इसमें विशेष्य की निश्चित संख्या का बोध होता है।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।
2. विशेष्य - जिन संज्ञा/सर्वनाम शब्दों की विशेषताएँ बताई जाती हैं, वे शब्द विशेष्य कहलाते हैं।

   विशेषण - संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।
3. विशेषण - संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।

   प्रविशेषण - जो विशेषण शब्द विशेषणों की विशेषता बताते हैं, उन्हें प्रविशेषण कहते हैं।
4. परिमाणवाचक विशेषण - जो विशेषण शब्द संज्ञा या सर्वनाम की माप-तौल

संबंधी विशेषता का बोध कराते हैं, वे परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं। जैसे – एक लीटर, पचास किलो, दस ग्राम, थोड़ा-सा आदि।

5. गुणवाचक विशेषण के तीन उदाहरण –

1. मोहन एक ईमानदार लड़का है।

2. भोजन बहुत स्वादिष्ट बना है।

3. आज ठंडा मौसम है।

संख्यावाचक विशेषण के तीन उदाहरण –

1. कक्षा में चालीस विद्यार्थी उपस्थित है।

2. हमें प्रतिदिन दो सेब खाने चाहिए।

3. नौकरी के लिए लाखों लोगों ने आवेदन किया।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं। प्रविशेषण विशेषण शब्दों की विशेषता बताते हैं। अतः प्रविशेषण विशेषण से इस प्रकार संबंधित है।

2. विशेषण निम्न चार प्रकार के होते हैं –

1. गुणवाचक विशेषण 2. संख्यावाचक विशेषण

3. परिमाणवाचक विशेषण 4. संकेतवाचक अथवा सार्वनामिक विशेषण

1. गुणवाचक विशेषण – जो विशेषण शब्द रूप, रंग, गुण, दोष, दशा, अवस्था आदि का बोध कराते हैं, उन्हें गुणवाचक विशेषण कहते हैं, जैसे-बुरा, भला, झूठ, सच, काला, हरा, पीला, भीतरी बाहरी आदि।

2. संख्यावाचक विशेषण – जो विशेषण शब्द विशेष्य की संख्या से संबंधित जानकारी का बोध कराते हैं, वे संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं, जैसे – दो बच्चे, तीसरी कक्षा, दो दर्जन केले, चार सौ लोग आदि।

3. 1. गुणवाचक विशेषण – जो विशेषण शब्द रूप, रंग, गुण, दोष, दशा, अवस्था आदि का बोध कराते हैं, उन्हें गुणवाचक विशेषण कहते हैं, जैसे-बुरा, भला, झूठ, सच, काला, हरा, पीला, भीतरी, बाहरी आदि।

2. संख्यावाचक विशेषण – जो विशेषण शब्द विशेष्य की संख्या से संबंधित जानकारी का बोध कराते हैं, वे संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं, जैसे – दो बच्चे, तीसरी कक्षा, दो दर्जन केले, चार सौ लोग आदि।

4. विशेषण के निम्नलिखित चार भेद हैं –

1. गुणवाचक विशेषण – जो विशेषण शब्द रूप, रंग, गुण, दोष, दशा, अवस्था आदि का बोध कराते हैं, उन्हें गुणवाचक विशेषण कहते हैं, जैसे–बुरा, भला, झूठ, सच, काला, हरा, पीला, भीतरी, बाहरी आदि।

2. संख्यावाचक विशेषण – जो विशेषण शब्द विशेष्य की संख्या से संबंधित जानकारी का बोग कराते हैं, वे संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं, जैसे – दो बच्चे, तीसरी कक्षा, दो दर्जन केले, चार सौ लोग आदि।

3. परिमाणवाचक विशेषण – जो विशेषण शब्द संज्ञा या सर्वनाम की माप–तौल संबंधी विशेषता का बोध कराते हैं, वे परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे – एक लीटर, पचास किलो, दस ग्राम, थोड़ा–सा आदि।

4. संकेतवाचक अथवा सार्वनामिक विशेषण – जो सर्वनाम शब्द विशेषण की तरह संज्ञा की विशेषता बताते हैं, उन्हें सार्वनामिक विशेषण कहते हैं। सर्वनाम प्रायः संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, इसमें संज्ञा भी होती है तथा उसी के लिए प्रयोग किए जाने वाला सर्वनाम भी।

जैसे – 1. यह अनार मीठा है ।

2. वह कमरा खाली है।

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. वजन
2. निश्चय किया गया
3. जिस शब्द की विशेषता बताई जाए
4. विशेषण शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्द

ङ. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए –

1. मुझे पाँच पुस्तकों की जरूरत है।
2. घोड़ा बहुत तेज दौड़ता है।
3. मोहन के पास वकील के जैसा काला कोट है।
4. रामू ने काला कोट पहन रखा है।
5. राधे काली गेंद से खेल रहा है।

पाठ–9 : क्रिया

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. क्रिया से	2. अकर्मक क्रिया	3. राधा कपड़े धो रही है।
4. धातु रूप	5. पढ़	6. अकर्मक क्रिया
7. दो	8. अकर्मक क्रियाएँ	
9. सकर्मक क्रियाएँ कहते हैं	10. जलना	

ख. इनका सही मिलान कीजिए–

स्तम्भ 'अ'	**स्तम्भ 'ब'**
1. नहाना	ख. नहा
2. सुनाना	घ. सुन
3. पढ़वाना	ङ. पढ़
4. चलवाना	ग. चल
5. चिपकाना	क. चिपक

ग. नीचे दिए गए शब्दों को खाली स्थानों में सही–सही भरिए–

1. नाच	2. करना चाहिए	3. खा
4. कर लिया	5. रो रहा	6. खाती

घ. क्रियाओं के धातु रूप में 'ना' लगाकर सामान्य क्रियाएँ बनाइए–

लाना	पाना	आना
खाना	जाना	धोना

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक पंक्ति में लिखिए।–

1. 'रात हो गई।' इस वाक्य में अकर्मक क्रिया प्रयुक्त हुई है।
2. कार्य होने या करने के बोध को क्रिया कहते हैं।
3. क्रिया से युक्त वाक्य–राम स्कूल जाता है।
4. 'बिल्ली ने चूहे को पकड़ा।' इस वाक्य में सकर्मक क्रिया है।
5. अकर्मक क्रिया का परोक्ष प्रभाव कर्ता पर पड़ता है।
6. सकर्मक क्रिया का सीधा प्रभाव कर्म पर पड़ता है।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–

1. जिन क्रियाओं के कार्य का प्रभाव या फल सीधा कर्म पर पड़ता है, उन्हें सकर्मक क्रियाएँ कहते हैं।
2. अकर्मक क्रिया– जिन क्रियाओं के काम का प्रभाव (फल) प्रत्यक्ष रूप से कर्ता पर पड़ता है, उन्हें अकर्मक क्रियाएँ कहते हैं। उदाहरण – सूर्य उग रहा है।
3. कर्म के आधार क्रिया के दो भेद हैं –

   1. अकर्मक क्रिया– जिन क्रियाओं के काम का प्रभाव (फल) प्रत्यक्ष रूप से कर्ता पर पड़ता है, अकर्मक क्रियाएँ कहते हैं। उदाहरण – सूर्य उग रहा है।

   2. सकर्मक क्रिया –जिन क्रियाओं के कार्य का प्रभाव या फल सीधा कर्म पर पड़ता है, उन्हें सकर्मक क्रियाएँ कहते हैं। उदाहरण – माँ बच्चे को डाँट रही है।
4. 1. अकर्मक क्रिया– जिन क्रियाओं के काम का प्रभाव (फल) प्रत्यक्ष रूप से कर्ता पर पड़ता है, उन्हें अकर्मक क्रियाएँ कहते हैं। उदाहरण – सूर्य उग रहा है।

   2. सकर्मक क्रिया –जिन क्रियाओं के कार्य का प्रभाव या फल सीधा कर्म पर पड़ता है, उन्हें सकर्मक क्रियाएँ कहते हैं। उदाहरण– माँ बच्चे को डाँट रही है।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. जो शब्द किसी कार्य के होने या करने का बोध कराते हैं, उन्हें क्रिया शब्द कहते हैं। उदाहरण– चिंकी दूध पी रही है।

   सकर्मक क्रिया के उदाहरण–

   1. चिंकी दूध पीती है। 2. मोर जंगल में नाच रहा है।

   3. बच्चे फुटबॉल खेल रहे हैं। 4. मोहन पतंग उड़ाता है।
2. 1. अकर्मक क्रिया– जिन क्रियाओं के काम का प्रभाव (फल) प्रत्यक्ष रूप से कर्ता पर पड़ता है, उन्हें अकर्मक क्रियाएँ कहते हैं। उदाहरण –

   उदाहरण – 1. सूर्य उग रहा है। 2. शेर दहाड़ रहा है।

   3. लड़की पढ़ रही है।

   सकर्मक क्रिया –जिन क्रियाओं के कार्य का प्रभाव या फल सीधा कर्म पर

पड़ता है, उन्हें सकर्मक क्रियाएँ कहते हैं। उदाहरण – माँ बच्चे को डाँट रही है।

उदाहरण – 1. मोर जंगल में नाच रहा है।

2. बच्चे फुटबॉल खेल रहे हैं।

3. क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं। जैसे– खाना, पीना, पढ़ना, खेलना, दौड़ना, आदि क्रियाओं के धातु रूप हैं खा, पी, पढ़, खेल, दौड़।

1. खा – मैंने खाना खा लिया। 2. पढ़– मोहन पढ़ने जा चुका है।

3. मार – माँ ने बालक को चिमटे से मारा।

4. गा – राधा ने गीत गाया।

5. हँस – हँसते हुए बच्चे सभी को प्यारे लगते हैं।

6. पी – मैं सुबह–शाम दूध पीता हूँ।

7. बन – पिता जी ने नया घर बनवाया।

8. रो – भूख के मारे बच्चा रो रहा था।

9. खेल – स्कूल से आकर रोहित खेलने चला गया।

10. दौड़– दौड़ते–दौड़ते माधव थक गया।

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. कुछ काम करना 2.प्रेरणा रूप में होने वाला

3. अर्थवाला 4. आज्ञा का सूचक

ङ. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए –

1. आज बरसात होने की संभावना है।

2. मैंने अपना कार्य कर लिया है।

3. बिल्ली म्याऊँ–म्याऊँ कर रही है।

4. मोना ने खाना बना लिया है।

पाठ–10 : क्रियाविशेषण

रचनात्मक निर्धारण

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को

2. रीतिवाचक क्रियाविशेषण 3. क्रिया के परिमाण का 4. समय का

5. स्थानवाचक 6. परिमाणवाचक 7. कालवाचक

8. रीतिवाचक 9. कार्य करने का 10. चार

ख. रिक्त स्थानों में उचित क्रियाविशेषण शब्द भरिए –

1. धीरे 2. ध्यानपूर्वक 3. तेज

4. जल्दी 5. सामने 6. कल

ग. निम्न वाक्यों में से क्रियाविशेषण शब्द छाँटकर खाली स्थान पर लिखिए–

1. ऊपर 2. लँगड़ाकर 3. रफ्तार

4. सदैव 5. नीचे 6. मंद–मंद

7. रुककर 8. तेज

घ. सत्य/असत्य लिखिए–

1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य

4. असत्य 5. सत्य

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक पंक्ति में लिखिए।–

1. लगभग, तनिक, काफी आदि परिमाणवाचक प्रकार के क्रियाविशेषण अव्यय हैं।
2. क्रियाविशेषण क्रिया की विशेषताएँ बताते हैं।
3. क्रियाविशेषण चार प्रकार के होते हैं।
4. रीतिवाचक क्रियाविशेषण की पहचान यह है कि ये क्रिया के होने की विधि या रीति का बोध कराते हैं।
5. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण परिमाणों को दर्शाने के लिए क्रिया की मात्रा की विशेषता का बोध कराते हैं।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच–छह पंक्तियों में लिखिए–

1. क्रियाविशेषण का शाब्दिक अर्थ है–क्रिया की विशेषता बताने वाला।
   इस प्रकार, जो शब्द क्रिया को किसी–न–किसी रूप में प्रभावित करते हैं, उन्हें क्रियाविशेषण कहते हैं।
2. क्रियाविशेषण के निम्न चार प्रकार हैं–

1. कालवाचक क्रियाविशेषण 2. स्थानवाचक क्रियाविशेषण

3. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण 4. रीतिवाचक क्रियाविशेषण

3. स्थानवाचक क्रियाविशेषण – जो क्रियाविशेषण शब्द क्रिया के स्थान संबंधी गुण–दोष अथवा विशेषता का बोध कराएँ, उन्हें स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

उदाहरण – 1. इधर–उधर देखकर लिखिए।

2.लड़का ऊपर से गिर गया।

4. रीतिवाचक क्रियाविशेषण – जो क्रियाविशेषण शब्द कार्य होने की विधि या रीति से संबंधित विशेषता का बोध कराते हैं, उन्हें रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

उदाहरण – (अ) मोहन पटाखे आहिस्ता–आहिस्ता जलाओ।

(ब) इन वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ–दस पंक्तियों में लिखिए –

1. कालवाचक क्रियाविशेषण – जो क्रियाविशेषण शब्द काल (समय) से संबंधित विशेषता का ज्ञान कराएँ, उन्हें कालवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

उदाहरण –(अ) सतेंद्र रोज व्यायाम करता है।

(ब) रवेन्द्र दिनभर क्रिकेट खेलता है।

रीतिवाचक क्रियाविशेषण – जो क्रियाविशेषण शब्द कार्य होने की विधि या रीति से संबंधित विशेषता का बोध कराते हैं, उन्हें रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

उदाहरण – (अ) मोहन पटाखे आहिस्ता–आहिस्ता जलाओ।

(ब) इन वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

2. क्रियाविशेषण के निम्न चार प्रकार हैं–

1. कालवाचक क्रियाविशेषण 2. स्थानवाचक क्रियाविशेषण

3. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण 4. रीतिवाचक क्रियाविशेषण

1. कालवाचक क्रियाविशेषण –जो क्रियाविशेषण शब्द काल (समय) से संबंधित विशेषता का ज्ञान कराएँ, उन्हें कालवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

उदाहरण –(अ) सतेंद्र रोज व्यायाम करता है।

(ब) रवेन्द्र दिनभर क्रिकेट खेलता है।

2. स्थानवाचक क्रियाविशेषण – जो क्रियाविशेषण शब्द क्रिया के स्थान संबंधी गुण–दोष अथवा विशेषता का बोध कराएँ, उन्हें स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

उदाहरण – 1. इधर–उधर देखकर लिखिए।

2.लड़का ऊपर से गिर गया।

3. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण – जो क्रियाविशेषण शब्द क्रिया के परिमाण या मात्रा संबंधी विशेषता का बोध कराएँ, उन्हें परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

उदाहरण – 1. अधिक कार्य मत करो, थक जाओगे।

2. लोकेश तुम बहुत कॉफी पीते हो।

4. रीतिवाचक क्रियाविशेषण – जो क्रियाविशेषण शब्द कार्य होने की विधि या रीति से संबंधित विशेषता का बोध कराते हैं, उन्हें रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

उदाहरण – (अ) मोहन पटाखे आहिस्ता–आहिस्ता जलाओ।

(ब) इन वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

4. क्रियाविशेषण का शाब्दिक अर्थ है–क्रिया की विशेषता बताने वाला।

इस प्रकार, जो शब्द क्रिया को किसी–न–किसी रूप में प्रभावित करते हैं, उन्हें क्रियाविशेषण कहते हैं।

कोई तीन प्रकार के क्रिया विशेषण –

स्थानवाचक क्रियाविशेषण – जो क्रियाविशेषण शब्द क्रिया के स्थान संबंधी गुण–दोष अथवा विशेषता का बोध कराएँ, उन्हें स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

उदाहरण – 1. इधर–उधर देखकर लिखिए।

2.लड़का ऊपर से गिर गया।

परिमाणवाचक क्रियाविशेषण – जो क्रियाविशेषण शब्द क्रिया के परिमाण या मात्रा संबंधी विशेषता का बोध कराएँ, उन्हें परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

उदाहरण – 1. अधिक कार्य मत करो, थक जाओगे।

2. लोकेश तुम बहुत कॉफी पीते हो।

रीतिवाचक क्रियाविशेषण – जो क्रियाविशेषण शब्द कार्य होने की विधि या रीति से संबंधित विशेषता का बोध कराते हैं, उन्हें रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

उदाहरण – (अ) मोहन पटाखे आहिस्ता–आहिस्ता जलाओ।

(ब) इन वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए –

1. नियम 2. जगह 3. समय 4. मात्रा

ङ. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए –

1. आगे अवरोधक है। धीरे चलिए।
2. मेरी बात को ध्यान से सुनो।
3. जल्दी चलो नहीं तो रेल छूट जाएगी।
4. कृपया शांत रहिए।
5. वह प्रतिदिन नहाता है।

पाठ–11 : काल

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. काल कहते हैं 2. एक क्रिया दूसरी क्रिया पर निर्भर करती है
3. कभी पूरी नहीं होती 4. कृतिका किताब खरीदेगी
5. वर्तमान काल कहते हैं।
6. बादल बरसेंगे 7. मैं चाय पी रहा हूँ 8. बरसात होगी
9. पक्ष कहते हैं 10. वृत्ति कहते हैं

ख. निम्नलिखित वाक्यों को प्रश्नानुसार काल बदलकर पुनः लिखिए –

1. वे गाना गा चुके होंगे।
2. उसने अभी पाठ याद किया है।
3. दया अपना पाठ लिख रही होगी।
4. वह खाना खा रहा है।
5. हम कल दिल्ली जाएँगे।

ग. खाली स्थानों में क्रिया का उचित रूप भरिए-

1. गा 2. लिख 3. धो

4. जाएँगे 5. सफल

घ. निम्नलिखित वाक्यों की क्रिया की वृत्ति लिखिए-

1. इच्छार्थ 2. आज्ञार्थ 3. निश्चार्थ

4. संभावनार्थ 5. संभावनार्थ

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-

1. क्रिया के करने या होने के समय को उसका काल कहते हैं।
2. काल के तीन भेद के नाम-1. वर्तमान काल, 2. भूतकाल, 3. भविष्यकाल
3. बच्चा अभी सोया है।
4. 'अभी मुम्बई जाओ।' इस वाक्य की क्रिया की वृत्ति आज्ञार्थ होगी।
5. वृत्ति का अर्थ - अर्थ का भाव।
6. संकेतार्थ, इच्छार्थ, आज्ञार्थ आदि वृत्ति के भेद हैं।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. पक्ष के छः प्रकार हैं।

   1. आरंभबोधक-इससे क्रिया के आरंभ होने की सूचना मिलती हैं; जैसे-

   1. यह कंपनी चलने लगी है। 2. सारे विश्व में योग फैलने लगा है।

   2. सातत्यबोधक - इससे क्रिया के लगातार चलते रहने का बोध होता है।

   जैसे-हम प्रतिदिन ध्यान करते हैं। 2. बच्चे प्रतिदिन स्कूल जाते हैं।

2. क्रिया के करने या होने के समय को उसका काल कहते हैं।

   काल के तीन भेद होते हैं-

   1. वर्तमान काल - क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि कार्य चल रहे समय में हो रहा है, उसे वर्तमान काल कहते हैं।

   2. भूतकाल - क्रिया के जिस रूप से उसके बीते समय में होने का बोध हो, उसे भूतकाल कहते हैं।

   3. भविष्यत् काल - क्रिया के जिस रूप से उसका आने वाले समय में पूरा होने का बोध हो, उसे भविष्यत् काल कहते हैं।

3. भविष्यत् काल के प्रकार – भविष्यत् काल के तीन प्रकार होते हैं –

(क) सामान्य भविष्यत् काल –

उदाहरण – 1. हम शिल्पी की शादी में जाएँगे।

(ख) संभाव्य भविष्यत् काल –

उदाहरण – 1. भगवान् ! मेरा स्वास्थ्य ठीक हो जाए।

(ग) हेतु–हेतुमद् भविष्यत् काल –

उदाहरण – 1. अगर सूर्य न निकले तो क्या होगा।

4. आज्ञार्थ – तुम कम बोला करो।

इच्छार्थ – हमेशा खुश रहो।

संभावनार्थ – शायद वह तुमसे मिलकर खुश हो जाए।

निश्चयार्थ – वह बड़ों की इज्जत करता है।

5. भूतकाल छह प्रकार का होता है–

(क) सामान्य भूतकाल – रवि कल अपने मित्र के घर गया था।

(ख) आसन्न भूतकाल – क्रिकेट मैच अभी–अभी पूरा हुआ है।

(ग) अपूर्ण भूतकाल – महक खेल रही थी।

(घ) पूर्ण भूतकाल – नौकर के आने से पहले ही उसने अपना कार्य कर लिया।

(ङ) हेतु–हेतुमद् भूतकाल – यदि तुम व्यापार करो, तो सफल हो जाओ।

(च) संदिग्ध भूतकाल – अंकुर ने नशे की आदत छोड़ दी होगी।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ–दस पंक्तियों में लिखिए –

1. क्रिया के करने या होने के समय को उसका काल कहते हैं। काल के तीन प्रकार एवं उनके उदाहरण –

(अ) वर्तमान काल – सूर्य हमें प्रकाश देता है।

(ब) भूतकाल – हम खाना खा चुके थे।

(स) भविष्यकाल – मेरे मामा जी अमेरिका जायेंगे।

2. वर्तमान काल छः प्रकार का होता है –

(क) सामान्य वर्तमान काल – इस काल के वाक्यों में कर्ता द्वारा किए गए कार्य का सामान्य वर्णन किया जाता है।

उदाहरण – 1. सूरज पूरब में निकलता है।

2. मैं सदा ठंडे पानी से नहाती हूँ।

(ख) संदिग्ध वर्तमान काल – इस काल के वाक्यों में कार्य होने के बारे में संदेह या अनिश्चय बना रहता है।

उदाहरण – 1. वे कार्यालय से चल दिए होंगे।

2. सपना आज मेरे घर आएगी।

(ग) अपूर्ण वर्तमान काल – इस काल के वाक्यों में कार्य के चलते रहने का बोध होता है, लेकिन कार्य अपूर्ण रहता है, जैसे –

उदाहरण –1. मैं अपनी लिखाई कर रही हूँ।

2. बच्ची खाना खा रही है।

(घ) पूर्ण वर्तमान काल – पूर्ण वर्तमान काल में कार्य के पूर्ण सिद्ध का बोध होता है, इसमें कार्य पूर्ण हो चुका होता है।

उदाहरण – 1. वह आया है। 2. सीता ने पुस्तक पढ़ी है।

(ङ) संभाव्य वर्तमान काल – वर्तमान काल में काम के पूरा होने की संभावना होती है, तो वह संभाव्य वर्तमान काल कहलाता है।

उदाहरण – 1. उसने खाना खाया हो। 2. वह स्कूल से आया हो।

(च) तत्कालिक वर्तमान काल – क्रिया के जिस रूप से यह पता चलता है कि कार्य वर्तमान काल में हो रहा है, वह तात्कालिक वर्तमान काल कहलाता है।

उदाहरण – 1. मैं पढ़ रहा हूँ।

2. माँ सो रही हैं।

3. भूतकाल के प्रकार – भूतकाल छह प्रकार के होते हैं –

(क) सामान्य भूतकाल (ख) आसन्न भूतकाल

(ग) अपूर्ण भूतकाल (घ) पूर्ण भूतकाल

(ङ) हेतु–हेतुमद भूतकाल (च) संदिग्ध भूतकाल

(क) सामान्य भूतकाल – इस काल के वाक्यों में क्रिया का आने वाले समय में सामान्य रूप से होने का पता चलता है,

उदाहरण – 1. रवि कल अपने मित्र के घर गया था।

2. चिंकी सो गई।

(ख) आसन्न भूतकाल – जब क्रिया थोड़ी देर पहले ही पूर्ण हुई हो, उसे आसन्न भूतकाल कहते हैं।

उदाहरण – 1. क्रिकेट मैच अभी–अभी पूरा हुआ है।

2. अब रात हो गी है।

(ग) अपूर्ण भूतकाल – इस काल के वाक्यों से क्रिया के भूतकाल में चलते रहने का तो बोध होता है, लेकिन काय की समाप्ति का संकेत नहीं होता;

उदाहरण – 1. महक खेल रही थी।

2. मनोज अमित को फोन कर रहा था।

(घ) पूर्ण भूतकाल – जब क्रिया से यह पता चले कि कार्य बहुत पहले समाप्त हो चुका है, उसे पूर्ण भूतकाल कहते हैं;

उदाहरण – 1. नौकर के आने से पहले ही उसने अपना कार्य कर लिया।

2. भावना अपनी मम्मी की साड़ी पहले ही खरीद चुकी थी।

(ङ) हेतु–हेतुमद् भूतकाल – इस काल के वाक्यों में एक कार्य का होना, दूसरे कार्य पर निर्भर होता है;

उदाहरण – 1. यदि तुम व्यापार करो, तो सफल हो जाओगे।

2. बिजली आ जाती, तो पानी भर लेती।

(च) संदिग्ध भूतकाल – इस काल के वाक्यों में कार्य के होने का उल्लेख संदेह या अनिश्चितता के साथ किया जाता है;

उदाहरण – 1. अंकुर ने नशे की आदत छोड़ दी होगी।

2. अनुराग पढ़ने लगा होगा।

4. भविष्यत् काल के प्रकार – भविष्यत् काल के तीन प्रकार होते हैं –

(क) सामान्य भविष्यत् काल (ख) संभाव्य भविष्यत् काल

(ग) हेतु–हेतुमद् भविष्यत् काल

(क) सामान्य भविष्यत् काल – जिस काल के वाक्यों में क्रिया का भविष्य काल में सामान्य रूप से होने का बोध हो, उसे सामान्य भविष्यत् काल कहते हैं;

उदाहरण – 1. हम शिल्पी की शादी में जाएँगे।

2. हमें आज अपना काम पूरा करना होगा।

(ख) संभाव्य भविष्यत् काल – जिस काल के वाक्यों में क्रिया के भविष्य

में होने की संभावना प्रकट की जाती है, किंतु क्रिया के संपन्न होने का निश्चय नहीं रहता, उसे संभाव्य भविष्यत् काल कहते हैं;

उदाहरण – 1. भगवान! मेरा स्वास्थ्य ठीक हो जाए।

2. शायद आज वर्षा हो।

(ग) हेतु–हेतुमद् भविष्यत् काल – जिस काल के वाक्यों में भविष्य में होने वाली क्रिया का होना किसी दूसरी क्रिया पर निर्भर होता हो, वहाँ हेतु–हेतुमद् भविष्यत् काल होता है;

उदाहरण – 1. अगर सूर्य न निकले तो क्या होगा ?

2. मेहनत करोगे तो सफलता पाओगे।

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए –

1. संदेहयुक्त 2. सटा हुआ, संलग्न 3. कार्य, व्यापार

4. किसी शब्द का संकेत रूप से निकाला गया अर्थ

ङ. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए–

1. उसने मेरी अँगूठी चोरी कर ली। 2. वह लड़की आ गयी है।

3. अगर सूर्य न निकले तो क्या होगा?

4. अगर हम, तुम्हारा यह कार्य करें तो तुम क्या दोगे?

5. अगर वह मुझसे नहीं बोलेगा तो मैं भी उससे नहीं बोलूँगा।

पाठ–12 : अव्यय

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. संबंधबोधक 2. की तरफ 3. साहचर्यवाचक

4. शाबाश! 5. अच्छा ! 6. चूँकि

7. समुच्चयबोधक 8. विरोधसूचक समुच्चयबोधक

9. पुलिस के डर से चोर भाग गए।

10. वह तुम्हारी समझ से परे हैं।

11. मत 12. नौ 13. ठीक, करीब, लगभग

14. काश!, अरे ! 15. केवल आप ही इसके हकदार हैं।

ख. इनका सही मिलान कीजिए-

स्तम्भ (अ)	**स्तम्भ (ब)**
1. सादृश्यवाचक संबंधबोधक	ग. कृतिका, वर्णिका के समान बुद्धिमान है।
2. व्यतिरेकवाचक संबंधबोधक	च. आज बिना भोजन के रहना पड़ेगा।
3. पृथक्यवाचक संबंधबोधक	घ. वे सभी अलग-अलग रहते हैं।
4. दिशावाचक संबंधबोधक	ङ. श्याम बाजार की ओर आ रहा था।
5. विरोधवाचक संबंधबोधक	ख. मैं बुराई के खिलाफ हूँ।
6. स्थानवाचक संबंधबोधक	क. हरीश मंदिर के पास रहता है।

ग. नीचे दिए गए शब्दों को खाली स्थानों में सही-सही भरिए-

1. और	2. मगर	3. ताकि
4. इसलिए	5. कि	6. लेकिन
7. और,	8. यदि, तो	9. बल्कि
10. लेकिन	11. जी	12. कब
13. नहीं	14. अरे	15. मत
16. तकरीबन		

घ. इन वाक्यों में सही विस्मयबोधक लिखिए -

1. अरे !	2. वाह !	3. ओह !
4. खबरदार !	5. अच्छा !	

ङ. सत्य/असत्य लिखिए-

1. असत्य	2. सत्य	3. असत्य
4. सत्य	5. असत्य	

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-

1. द्वारा, जरिए।
2. 'पुलिस के डर से चोर छिप गया।' इस वाक्य में 'डर से' कारणवाचक संबंधबोधक शब्द है।
3. अत:, फलत:
4. 'वह बाजा तो बजा लेता है मगर गा नहीं पाता।' इस वाक्य में 'मगर' विरोधसूचक समुच्चबोधक शब्द है।

5. 'वाह ! क्या ईनाम पाया है ?' इस वाक्य में विस्मयादिबोधक अव्यय प्रयुक्त हुआ है।
6. 'स्वीकृतिसूचक' (विस्मयादिबोधक) के दो अव्यय ठीक है!, बहुत अच्छा ! है।
7. 'जी' आदरबोधक प्रकार का निपात है।
8. (क) उसे मत बुलाओ। (ख) मुझसे कुछ ना पूछो।
9. तुम कहाँ घूमने गए थे ?
10. जहाँ वाक्यों में आश्चर्य, हर्ष, शोक, घृणा आदि के भाव व्यक्त हों वहाँ विस्मयादिबोधक निपात का प्रयोग करते हैं।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छह प्रक्तियों में लिखिए-

1. विस्मयसूचक, हर्षसूचक, शोकसूचक - ये तीनों विस्मयादिबोधक अव्यय हैं।

   1. विस्मयसूचक - अरे ! इतनी जल्दी तुमने पाठ याद कर लिया।

   2. हर्षसूचक - वाह ! कितना सुंदर मकान है।

   3. शोकसूचक - ओह ! कितनी गहरी चोट है ।
2. जो अव्यय शब्द किसी साधन का बोध कराते हैं, उन्हें साधनवाचक संबंधबोधक कहते हैं।

   उदाहरण - वह अपने मित्र के सहारे ही यहाँ पहुँचा है।
3. संबंधबोधक ग्यारह प्रकार के होते हैं -

   1. कालवाचक - मेरे आने के बाद वह चला गया।

   2. स्थानवाचक - हमारे घर के आगे एक सुंदर बगीचा है।

   3. दिशावाचक - मोहन, राम की तरफ इशारा कर रहा है।

   4. उद्‌देश्यवाचक - यह मकान पिताजी ने मोहन के लिए खरीदा है।

   5. विरोधवाचक - जनता ने नेता के खिलाफ आवाज उठाई।

   6. कारणवाचक संबंधबोधक - आज वर्षा बंद न होने के कारण स्कूल नहीं खुला।

   7. साधनवाचक संबंधबोधक - हम बस द्‌वारा दिल्ली जाएँगे।

   8. साहचर्यवाचक संबंधबोधक - डालडा घी डिब्बे के साथ मिलने लगा है।

9. सादृश्यवाचक संबंधबोधक – मीरा तुम तो फूल के समान नाजुक हो।

10. व्यतिरेकवाचक संबंधबोधक – आज आपको पानी के बिना ही रहना पड़ेगा।

11. पृथक्यवाचक संबंधबोधक – मेरा स्कूल घर से दूर है।

4. व्याधिकरण समुच्चयबोधक के चार भेद हैं–

   1. संकेतसूचक – यदि तुम जाना चाहो तो जा सकते हो।

   2. उद्देश्यसूचक – अध्यापकों ने कहा कि अपना पाठ पढ़ो।

   3. हेतुसूचक – बूढ़ा बीमार था इसलिए सो गया।

   4. स्वरूपसूचक – वह मितभाषी अर्थात कम बोलने वाला है।

5. कालवाचक – 1. मेरे आने के बाद वह चला गया।

   2. रवि ने मोहन से पहले खाना खाया।

   स्थानवाचक – 1. हमारे घर के आगे एक सुंदर बगीचा है।

   2. मनोज ने पेड़ पर चढ़कर आम तोड़े।

6. किसी भी बात पर अतिरिक्त भार देने के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है, उसे निपात कहते हैं। जैसे – तक, मत, हाँ, भी, क्या, ही, न आदि।

   उदाहरण – 1. तुमने तो हद कर दी। 2. तुम्हें आज रात रुकना ही पड़ेगा।

7. निपात के कार्य–निपात के कार्य निम्नलिखित हैं –

   1. किसी शब्द पर बल देने के लिए प्रयोग किए जाते हैं।

   2. विस्मय प्रकट करने के लिए प्रयोग किए जाते हैं।

   3. अस्वीकृति प्रकट करने के लिए प्रयोग किए जाते हैं।

   4. प्रश्न करने में प्रयोग किए जाते हैं।

   उदाहरण –1. कक्षा में शोर मत करो। (यहाँ पर शब्द 'मत' निपात है।)

   2. इस कार्य को मैं भी कर सकती हूँ। (यहाँ पर शब्द 'भी' निपात है।)

8. निपात नौ प्रकार के होते हैं –

1. आदरबोधक निपात	2. बल प्रदायक निपात
3. नकारात्मक निपात	4. तुलनाबोधक निपात
5. सकारात्मक निपात	6. प्रश्नबोधक निपात
7. अवधारणाबोधक निपात	8. निषेधात्मक निपात
9. विस्मयादिबोधक निपात	

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ-दस पंक्तियों में लिखिए -

1. जिन अव्ययों द्वारा संज्ञा या सर्वनाम का वाक्य के अन्य शब्दों के साथ संबंध जाना जाए, वे संबंधबोधक कहलाते हैं।

   उदाहरण -1.मोहन, राम की तरफ इशारा कर रहा है।

   2.यह मकान पिताजी ने मोहन के लिए खरीदा है।

   3. जनता ने नेता के खिलाफ आवाज उठाई।

   4. आज वर्षा बंद न होने के कारण स्कूल नहीं खुला।

   5. हम बस द्वारा दिल्ली जाएँगे।

2. विस्मयादिबोधक ग्यारह प्रकार के होते हैं-

   1. विस्मयसूचक - अरे ! इत्नी जल्दी तुमने पाठ याद कर लिया।
   2. हर्षसूचक - वाह ! कितना सुंदर मकान है।
   3. शोकसूचक - ओह ! कितनी गहरी चोट है।
   4. स्वीकृति सूचक - ठीक हैं ! हम कृषांत के जन्मदिन पर अवश्य आएँगे।
   5. तिरस्कारसूचक - छिः ! कैसा बुरा दृश्य है।
   6. अनुमोदनसूचक - अच्छा ! तुम यहाँ पर हो ।
   7. आशीर्वादसूचक - जियो ! खूब जियो।
   8. संबोधनसूचक - अरे यामिनी ! जरा सुनो ।
   9. भयसूचक - बाप रे ! कैसी भयानक शक्ल बना रखी है।
   10. विदासूचक - अच्छा जी ! अब हम चलें ।
   11. विवशतासूचक - काश ! वो लोग इतना घमण्ड न करते।

3. समुच्चयबोधक निम्न दो प्रकार के होते हैं -

   (क) समानाधिकरण समुच्चबोधक - माँ बीमार हो गयी थी, इसलिए मैं गाँव नहीं गई।

   (ख) व्याधिकरण समुच्चबोधक -यदि मेहनत करोगे तो फल पाओगे।

4. जो अव्यय दो शब्दों/दो पदबंधों या दो वाक्यों को परस्पर जोड़ते हैं, उन्हें समुच्चयबोधक कहते हैं।

   इसे और योजक नाम से जाना जाता है।

6. किसी भी बात पर अतिरिक्त भार देने के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया

जाता है, उसे निपात कहते हैं। जैसे – तक, मत, हाँ, भी, क्या, ही न आदि।

उदाहरण – 1. उसने मुझसे बात तक नहीं की । 2. रमा ने तो हद कर दी।

3. कल हम भी घूमने जाएँगे।

4. अजय तो हमेशा ही गुस्से में रहता है।

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. समूह 2. आश्चर्य

3. दो शब्दों अथवा वाक्यों को जोड़नेवाला

4. ऐसे शब्द जो वाक्य के दूसरे शब्दों के साथ संबंध स्थापित करें।

5. लगभग 6. केवल

ङ. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए–

1. मोहन और सोहन दोनों बाजार गए हैं।
2. राधेश को दिल्ली में कुछ आवश्यक कार्य था अन्यथा आपके घर अवश्य आता।
3. छिः! कितना गन्दा कमरा है।
4. अच्छा ! तो फिर कब मिलेंगे ?
5. यदि तुम मेहनत करोगे तो अवश्य सफल होओगे।
6. हाँ, मैं भी वहाँ जाऊँगा।
7. तुम तो वहाँ गये ही थे।
8. आप ही ऐसे एकमात्र व्यक्ति हैं, जो दूसरों के सुख–दुख में हिस्सा लेते हैं।

पाठ–13 : समास

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. तत्पुरूष समास 2. छह

3. आजीवन 4. द्विगु समास

5. रातों–रात 6. द्विगु समास

7. अव्ययीभाव समास 8. कर्मधारय समास

9. बहुब्रीहि समास 10. सम्प्रदान तत्पुरूष

ख. निम्नलिखित सामासिक शब्दों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम भी लिखिए –

विग्रह	**समास**
1. चंद्ररूपी मुख	कर्मधारय समास
2. शक्ति के अनुसार	अव्ययीभाव समास
3. तुलसी द्वारा रचित	तत्पुरूष समास
4. नीला कमल	कर्मधारय समास
5. न निश्चित	नञ तत्पुरूष समास
6. दोपहरों का मध्य समय	द्विगु समास
7. नौ ग्रहों का समूह	द्विगु समास
8. राजा–रंक	द्वंद्व समास

ग. निम्नलिखित शब्दों में समास का प्रयोग करके समस्त पद लिखिए –

1. भवानी–शंकर 3. महात्मा

4. अनादि अनंत 5. यथाशक्ति 6. बिहारीरचित

घ. सत्य/असत्य लिखिए–

1. असत्य 2. सत्य 3. सत्य

4.सत्य 5. असत्य

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक पंक्ति में लिखिए।–

1. नञ तत्पुरुष समास
2. 'संदेह के बिना' का सामासिक रूप निस्संदेह होगा।
3. 'चन्द्रमौलि' में बहुब्रीहि समास है।
4. तत्पुरुष समास के छह भेद हैं।
5. समास रचना में दो शब्द अथवा दो पद होते हैं। पहले पद को पूर्व पद तथा दूसरे पद को उत्तरपद कहा जाता है। इन दोनों पदों के समास से जो नया शब्द बनता है, उसे समस्त पद कहते हैं।

   उदाहरण – चंद्र जैसा मुख नीलकमल – नीला कमल
6. अव्ययीभाव समास की पहचान – इसमें समस्त पद अव्यय बन जाता है

अर्थात समास होने के बाद उसका रूप कभी नहीं बदलता है। इसके साथ विभक्ति चिह्न भी नहीं लगता।

7. कर्मधारय समास–कर्मधारय में 'समस्त पद' या एक पद दूसरे पद का विशेषण होता है। इसमें शब्दार्थ प्रधान होता है। जैसे – नीलकंठ – नीला कंठ बहुव्रीहि समास–बहुव्रीहि समास में समस्त पद के दोनों पदों में विशेषण–विशेष्य का संबंध नहीं होता है। वह 'समस्त पद' के किसी अन्य संज्ञादि का विशेषण होता है। साथ ही शब्दार्थ गौण होता है और कोई भिन्नार्थ प्रधान हो जाता है। जैसे– नील + कंठ – नीला है कंठ जिसका अर्थात् शिव।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–

1. दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर बने हुए एक नवीन एवं सार्थक शब्द को समास कहते हैं। जैसे–'रसोई के लिए घर'; इसे हम 'रसोईघर' भी कह सकते हैं।
2. समास के छः भेद होते हैं –

   1. अव्ययीभाव समास 2. तत्पुरूष समास 3. द्वंद्व समास
   4. बहुब्रीहि समास 5. द्विगु समास 6. कर्मधारय समास
3. अव्यययीभाव समास – जिस सामासिक शब्द का पहला शब्द प्रधान हो और वह अव्यय हो, उसे अव्यवीभाव समास कहते हैं; जैसे – यथामति (मति के अनुसार), आमरण (मृत्यु तक)। इसमें 'यथा' और 'आ' अव्यय हैं।
4. कर्मधारय समास और बहुब्रीहि समास में अंतर–कर्मधारय में 'समस्त पद' या एक पद दूसरे पद का विशेषण होता है। इसमें शब्दार्थ प्रधान होता है। जैसे–नीलकंठ – नीला कंठ।

   बहुब्रीहि में समस्त पद के दोनों पदों में विशेषण–विशेष्य का संबंध नहीं होता है। वह 'समस्त पद' के किसी अन्य संज्ञादि का विशेषण होता है। साथ ही शब्दार्थ गौण होता है और कोई भिन्नार्थ प्रधान हो जाता है। जैसे– नील + कंठ – नीला है कंठ जिसका अर्थात् शिव।
5. द्वंद्व समास – जिस सामासिक शब्द के 'दोनों पद' प्रधान होते हैं तथा विग्रह करने पर 'और', 'अथवा', 'या', 'एवं' आदि लगता है, वह द्वंद्व समास कहलाता है। उदाहरण – पाप–पुण्य – पाप और पुण्य।

6. द्विगु समास– जिस सामासिक शब्द का 'पूर्व पद' संख्यावाचक विशेषण हो, उसे द्विगु समास कहते हैं। इसमें समूह अथवा समाहार का बोध होता है। उदाहरण – नवग्रह – नौ ग्रहों का समूह ।

दोपहर – दो पहरों का मध्य भाग नवरात्र – नौ रात्रियों का समूह।

शताब्दी – सौ अब्दों (सालों) का समूह।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. समास – दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर बने हुए एक नवीन एवं सार्थक शब्द को समास कहते हैं। जैसे–'रसोई के लिए घर'; इसे हम 'रसोईघर' भी कह सकते हैं।

   समास विग्रह – सामासिक शब्दों के बीच के संबंध को स्पष्ट करना समास विग्रह कहलाता है। जैसे – राजा का पुत्र।

2. समास के छः भेद होते हैं –

   1. अव्ययीभाव समास 2. तत्पुरूष समास 3. द्वंद्व समास
   4. बहुब्रीहि समास 5. द्विगु समास 6. कर्मधारय समास

   अव्यययीभाव समास – जिस सामासिक शब्द का पहला शब्द प्रधान हो और वह अव्यय हो, उसे अव्यवीभाव समास कहते हैं; जैसे – यथामति (मति के अनुसार), आमरण (मृत्यु तक)। इसमें 'यथा' और 'आ' अव्यय हैं।

   द्वंदव समास – जिस सामासिक शब्द के 'दोनों पद' प्रधान होते हैं तथा विग्रह करने पर 'और', 'अथवा', 'या', 'एवं' आदि लगता है, वह द्वंद्व समास कहलाता है। उदाहरण – पाप–पुण्य – पाप और पुण्य।

3. तत्पुरूष समास – जिस सामासिक शब्द का उत्तर पद प्रधान हो, उसे तत्पुरूष समास कहते हैं। जैसे – तुलसीकृत – तुलसी द्वारा कृत (रचित)।

   इसके निम्नलिखित छह भेद हैं –

   (क) कर्म तत्पुरुष – गिरहकट – गिरह को काटने वाला
   (ख) करण तत्पुरुष – मनचाहा – मन से चाहा
   (ग) संप्रदान तत्पुरुष – रसोईघर – रसोई के लिए घर
   (घ) अपादान तत्पुरुष – देशनिकाला – देश से निकाला
   (ङ) संबंध तत्पुरुष – गंगाजल – गंगा का जल
   (च) अधिकरण तत्पुरुष – आपबीती – आप पर बीती

4. (i) बहुब्रीहि–समास – जिस सामासिक शब्द के 'दोनों पद' अर्थ प्रधान हों और 'समस्त पद' के अर्थ के अतिरिक्त कोई अन्य पद अर्थ प्रधान हो, उसे बहुब्रीहि समास कहते हैं। उदाहरण – नीलकंठ – नीला है कंठ जिसका अर्थात् शिव।

(ii) द्विगु समास– जिस सामासिक शब्द का 'पूर्व पद' संख्यावाचक विशेषण हो, उसे द्विगु समास कहते हैं। इसमें समूह अथवा समाहार का बोध होता है। उदाहरण – नवग्रह – नौ ग्रहों का समूह ।

(iii) नञ् तत्पुरूष समास – जिस शब्द में 'न' अर्थ में 'अ' अथवा 'अन' का प्रयोग हो, वह नञ् तत्पुरूष समास कहलाता है। उदाहरण – अभाव – न भाव

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. नीला है कंठ जिसका 2. यात्रा के दौरान होने वाला खर्च

3. इच्छानुकूल किया हुआ 4. अपने ऊपर गुजरी हुई

ङ. निम्नलिखित शुद्ध करके पुनः लिखिए –

1. तुलसीकृत रामायण 2. नीलकंठ 3. शताब्दी

4. कमलनयन 5. निस्संदेह

पाठ–14 : संधि

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. पास–पास के वर्णों का मेल हो 2. सेवार्थ

3. रामा + नुज 4. हिमालय 5. वधू + ऊर्जा

6. तीन

7. दो स्वरों के पारस्परिक मेल से विकार उत्पन्न होता है

8. महा + इन्द्र 9. यद्यपि 10. रवीन्द्र

ख. इन्हें सुमेलित कीजिए–

स्तम्भ 'अ'	**स्तम्भ 'ब'**
1. मनु + अंतर	ङ. मन्वंतर
2. ने + अन	घ. नयन

3. सु + आगत क. स्वागत

4. कपि + ईश ग. कपीश

5. मत + ऐक्य ख. मतैक्य

ग. निम्नलिखित संधियों के सही प्रकारों पर सही का चिह्न ( ) लगाइए -

1. व्यंजन 2. विसर्ग 3. स्वर

4. स्वर 5. व्यंजन

घ. सत्य/असत्य लिखिए-

1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य

4. सत्य 5. असत्य 6. सत्य

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-

1. 'ऊ + ए' मिलकर 'वे' बनता है।
2. संधि दो वर्णों का मेल है।
3. वाक् + ईश = वागीश, उत् + घाटन = उद्घाटन
4. शिव + आलय = शिवालय, देव + इंद्र = देवेंद्र
5. पित्रादेश = पितृ + आदेश
6. 'नि + ऊन' स्वरसंधि का उदाहरण है।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. दो वर्णों के मेल से उत्पन्न विकार को व्याकरण की भाषा में संधि कहते हैं अर्थात् दो निर्दिष्ट अक्षरों के पास-पास आने के कारण, उनके संयोग से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे संधि कहते हैं । जैसे - विद्या + आलय - विद्यालय।

   संधियाँ तीन प्रकार की होती हैं-

   1. स्वर-संधि 2. व्यंजन संधि 3. विसर्ग संधि
2. स्वर-संधि - दो स्वरों के पास-पास आने से जो संधि होती है, उसे स्वर-संधि कहते हैं।

   उदाहरण - 1. विद्या + आलय - विद्यालय 2. भानु + उदय - भानूदय
3. विसर्ग संधि - जब विसर्ग के साथ स्वर अथवा व्यंजन के मिलाने से विकार

उत्पन्न होता है, तो यह विसर्ग संधि होती है।

उदाहरण – 1. निः + चय – निश्चय   2. दुः + ट – दुष्ट

4. दो स्वरों के आपस में मिलने से स्वर संधि जबकि विसर्ग का स्वर या व्यंजन से मेल होने पर विसर्ग संधि होती है।

स्वर सधि – उदाहरण – मुनि + इंद्र – मुनींद्र,   सदा + एव – सदैव

विसर्ग संधि – उदाहरण – नमः + ते – नमस्ते,   निः + चल – निश्चल

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. स्वर संधि के तीन उदाहरण –

परीक्षा + अर्थी – परीक्षार्थी,   नारी + इंदु – नारींदु,

महा + उत्सव – महोत्सव।

व्यंजन संधि के तीन उदाहररण –

अनु + छेद –अनुच्छेद,   दि्क + अंबर – दिगंबर,

षट् + आनन – षडानन।

विसर्ग संधि के तीन उदाहरण –

निः + आशा – निराशा,   निः + चय – निश्चय,   दुः + गंध – दुर्गध।

2. स्वर–संधि – दो स्वरों के पास–पास आने से जो संधि होती है, उसे स्वर–संधि कहते हैं।

उदाहरण – 1. परीक्षा + अर्थी – परीक्षार्थी , 2. नारी + इंदु – नारींदु।

व्यंजन संधि – जिन दो वर्णों में संधि होती हे, उनमें से पहला वर्ण यदि व्यंजन हो और दूसरा वर्ण व्यंजन अथवा स्वर हो, तो जो विकार होगा, उसे व्यंजन संधि कहते हैं।

उदाहरण – 1. अनु + छेद –अनुच्छेद,   2. दि्क + अंबर – दिगंबर।

3. संधि के प्रमुख भेद –

(क) स्वर संधि – दो स्वरों के पास–पास आने से जो संधि होती है, उसे स्वर–संधि कहते हैं।

1. विद्या + आलय – विद्यालय । 2. परीक्षा + अर्थी – परीक्षार्थी

2. भानु + उदय – भानूदय

(ख) व्यंजन संधि –जिन दो वर्णों में संधि होती हे, उनमें से पहला वर्ण यदि व्यंजन हो और दूसरा वर्ण व्यंजन अथवा स्वर हो, तो जो विकार होगा, उसे

व्यंजन संधि कहते हैं।

उदाहरण – 1. अनु + छेद –अनुच्छेद, 2. दि्क + अंबर – दिगंबर।

3. षट् + आनन – षटानन 4. सत् + जन – सज्जन

(ग) विसर्ग संधि – जब विसर्ग के साथ स्वर अथवा व्यंजन के मिलाने से विकार उत्पन्न होता है, तो यह विसर्ग संधि होती है।

उदाहरण – 1. निः + चय – निश्चय 2. दुः + ट – दुष्ट

3. निः + आशा – निराशा 4. मनः + हर – मनोहर

4. विसर्ग संधि – जब विसर्ग के साथ स्वर अथवा व्यंजन के मिलाने से विकार उत्पन्न होता है, तो यह विसर्ग संधि होती है।

उदाहरण – 1. निः + चय – निश्चय 2. दुः + ट – दुष्ट

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. पिता की अनुमति
2. कुछ विशिष्ट औषधियों का समूह
4. पाप एवं दोष रहित
5. सोना, निद्रा
6. देवताओं के रहने का स्थान

ङ. इन्हें शुद्ध करके पुनः लिखिए –

1. सूर्योदय 2. रमेश
3. मात्रानंद 4. यद्यपि
5. गंर्गोमि

पाठ–15 : उपसर्ग एवं प्रत्यय

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. अप 2. सीमा से परे 3. अनुकरण
4. इति 5. दुः 6. उर्दू
7. करणवाचक 8. दार 9. पाल
10. मालकिन

ख. हिंदी तथा संस्कृत के कोई तीन-तीन उपसर्ग लिखकर उनसे निर्मित कुछ शब्द बनाइए-

हिंदी के उपसर्ग	निर्मित शब्द	संस्कृत के उपसर्ग	निर्मित शब्द
अ	अभाव, अचेत, अछूत	उत्	उत्तम, उत्साह
औ	औगुन, औघट	इति	इतिश्री, इतिहास
नि	निडर, निर्लज्ज	आ	आदान, आगमन

ग. नीचे लिखे शब्दों में उपसर्ग जोड़कर विलोम शब्द बनाइए -

संभव - असंभव	धर्म - अधर्म	सुंदर - असुंदर
मान - अपमान	शिक्षित - अशिक्षित	ज्ञान - अज्ञान
गुण - अवगुण	जय -पराजय	डर - निडर

घ. 'दार', 'वान', 'आई' तथा 'वाला' प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए -

जैसे -	धन -धनवान	भाग्य - भाग्यवान
	वफा - वफादार	दर - दरवान
	दाग - दागदार	धार - धारदार
	कत - कताई	सिल - सिलाई
	बुन - बुनाई	बाग -बागवान
	दूध - दूधवाला	सब्जी - सब्जीवाला
	टोपी - टोपीवाला	दुकान - दुकानदार

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-

1. 'खिवैया' शब्द में लगा प्रत्यय 'वैया' है।
2. 'अनुज्ञा' में उपसर्ग जुड़ा है।
3. भाववाचक कृत प्रत्यय कृत प्रत्यय का एक प्रकार है।
4. पालक, खिवैया, दुनिया ।
5. 'उपवेद' में उपसर्ग 'उप' उपसर्ग है।
6. 'अव' उपसर्ग का अर्थ हीन, नीच है।
7. डिप्टी रजिस्ट्रार, जनरल मैनेजर, वाइस-चांसलर, सब-जज, हैड-मास्टर

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. उपसर्ग-ऐसे शब्दांश, जो मूल शब्द के पहले जुड़कर उसके अर्थ को परिवर्तित कर देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।

उदाहरण– (i) अ – अभाव – अचेत, अज्ञान

(ii) अध – आधा – अधमरा, अधपका।

2. हम उपसर्ग का प्रयोग नए शब्दों की रचना करने के लिए करते हैं। इससे मूलशब्द के अर्थ में बदलाव आ जाता है। उपसर्ग शब्द के आरंभ में जुड़ता है।

3. उपसर्ग प्रमुख चार प्रकार के होते हैं –

1. संस्कृत के उपसर्ग –

उदाहरण – अप – अपमान, अपयश, अति – अतिरिक्त, अत्यंत।

2. हिंदी के उपसर्ग –

उदाहरण – अन – अनपढ़, अनमोल, नि – निडर, निहत्था।

3. उर्दू के उपसर्ग –

उदाहरण – अल – अलबत्ता, अलगरज, खुश – खुशकिस्मत, खुशदिल।

4. अंग्रेजी के उपसर्ग –

उदाहरण – हैड– हैड–मास्टर, हैड–ऑफिस

सब – सब–इंस्पेक्टर, सब–जज।

4.

उपसर्ग	**शब्द**	**अर्थ**
अति	अतिरिक्त	फालतू
सु	सुपुत्र	उत्तम पुत्र, अच्छा पुत्र
अन	अनपढ़	निरक्षर
सर	सरहद	सीमा
ला	लापरवाह	बेफिक्र

5. ''ऐसे शब्दांश, जो मूल शब्द के अंत में जुड़कर उनका अर्थ बदल देते हैं अथवा नए शब्द बनाते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हें। प्रत्यय के प्रमुख दो प्रकार होते हैं –

(1) कृत प्रत्यय – इया – दुनिया, नचनिया, नी– चटनी, छननी

(2) तद्धित प्रत्यय– आनी–देवरानी, जेठानी

पन – लड़कपन, बचपन

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. ''ऐसे शब्दांश, जो मूल शब्द के अंत में जुड़कर उनका अर्थ बदल देते हैं

अथवा नए शब्द बनाते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हें। प्रत्यय के प्रमुख दो प्रकार होते हैं –

(1) कृत प्रत्यय (2) तद्धित प्रत्यय

2. कर्मवाचक कृत प्रत्यय – वे कृत प्रत्यय जिनसे निर्मित शब्दों से क्रिया के कर्म का बोध होता है, कर्मवाचक कृत प्रत्यय कहलाते हैं। ये कृदंत शब्द धातुओं के अंत में आना, आवत, औना, औनी, ना, नी आदि प्रत्यय जोड़ने से बनते हैं। उदाहरण– पढ़ाना, खिलौना, घिनौनी।

तद्धित प्रत्यय – धातुओं को छोड़ शेष शब्दों के अंत में प्रत्यय लगने से जो शब्द बनते हैं, उन्हें 'तद्धित प्रत्यय' कहते हैं।

उदाहरणार्थ – महारानी, लड़कपन, मथुरिया, सुनहरा आदि।

3. भाववाचक तद्धित प्रत्यय – जिन प्रत्ययों के जुड़ने से संज्ञा या विशेषण शब्द भाव का बोध कराते हैं, उन्हें भाववाचक तद्धित प्रत्यय कहते हैं।

ये प्रत्यय हैं – आई, आन, आपत, आस, आहट।

गुणवाचक तद्धित प्रत्यय – जिन प्रत्ययों के लगाने से पदार्थ के गुण का बोध हो अर्थात् शब्द विशेषण रूप में परिणित हो जाएँ, उन्हें गुणवाचक (विशेषण वाचक) तद्धित प्रत्यय कहते हैं। ये प्रत्यय हैं – आ, आर, आल, ईला, उआ, उ, ऐला, ला, हरा, हला आदि।

4. प्रत्यय के दो भेद हैं – 1. कृत प्रत्यय 2. तद्धित प्रत्यय।

कृत प्रत्यय के भेद – कृत प्रत्यय कई प्रकार के होते हैं, उनमें मुख्यत: चार हैं –

1. कर्तृवाचक कृत प्रत्यय – उदाहरण – खिवैया।

2. भाववाचक कृत प्रत्यय – उदाहरण – खपत ।

3. कर्मवाचक कृत प्रत्यय – उदाहरण – खिलौना।

4. करणवाचक कृत प्रत्यय – उदाहरण – झाड़ू।

तद्धित प्रत्यय के भेद – हिंदी के तद्धित रूप तद्भव तथा देशज शब्दों के अंत में प्रत्यय जुड़कर बनते हैं। हिंदी में तद्धित प्रत्यय मुख्यत: चार हैं –

1. स्त्रीलिंगवाचक तद्धित प्रत्यय– उदाहरण – नातिन

2. स्थानवाचक तद्धित प्रत्यय – उदाहरण – मुंबइया

3. भाववाचक तद्धित प्रत्यय – उदाहरण – बचपन

4. गुणवाचक तद्धित प्रत्यय – उदाहरण – धार्मिक

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. दौलतमंद, धनी 2. मुख्य कार्यालय 3. मुख्य

4. अन्य

ङ. इन वाक्यों में विराम चिह्न लगाकर शुद्ध करके पुनः लिखिए–

1. मैंने घर को बहुत अच्छे ढंग से सजाया है।
2. तुम हमें मधुरिया में मिले थे।
3. गाँधी जी ने आमरण अहिंसा का प्रण किया।
4. मैं आज इस कार्य का इतिश्री करने जा रहा हूँ।
5. यह कार्य बहुत कठिन है।

पाठ–16 : विराम–चिह्न

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. तारक चिह्न 2. तुल्यतासूचक चिह्न 3. ....

4. किसी वाक्य को जोड़ने के लिए 5.कोष्ठक

6. लाघव विराम 7. विस्मय विराम 8.प्रश्नवाचक चिह्न

9. – 10. हंसपद चिह्न

ख. विराम–चिह्नों को उनके संकेत–चिह्नों से मिलाइए–

क	ख
1. अल्प विराम	छ. ,
2. प्रश्नवाचक चिह्न	ग. ?
3. पूर्ण विराम	ङ ।
4. कोष्ठक	ज. ( )
5. अर्द्ध विराम	झ. ;

6. लाघव चिह्न क. ०

7. विस्मय विराम घ !

8. निर्देशक चिह्न च. –

9. हंसपद चिह्न (त्रुटि–विराम) ख. ^

ग. निम्नलिखित विराम–चिह्नों के नाम लिखिए –

? प्रश्नवाचक चिह्न । पूर्ण विराम चिह्न

! विस्मय विराम ० लाघव चिह्न

– निर्देशक चिह्न ^ हंसपद चिह्न (त्रुटि–विराम)

; अद्‌र्ध विराम :– विवरण चिह्न

, अल्प विराम ( ) कोष्ठक चिह्न

घ. निम्नलिखित वाक्यों में सही–सही विराम–चिह्नों का प्रयोग कीजिए–

1. अरे ! जरा इधर आना। 2. यह रखी हुई खीर है।

3. पिकनिक पर कौन–कौन जाएगा ?

4. मधु जल्दी आ, देख कितना बड़ा आम है !

5. जियो ! खूब जियो। 6. आज तेज हवा चल रही थी।

7. गुरू जी ने सभी बच्चों से कहा, ''परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।''

ङ. इनके विराम–चिह्न लिखिए –

उद्‌धरण चिह्न ' ' ' ' अल्प विराम ,

योजक चिह्न – निर्देशन चिह्न –

विवरण चिह्न :– संक्षेप सूचक चिह्न ०

खण्ड ख

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक पंक्ति में लिखिए।–

1. इस विराम–चिह्न (:) का नाम अपूर्ण विराम है ।
2. विराम–चिह्न पंद्रह प्रकार के होते हैं।
3. तुल्यतासूचक चिह्न =
4. लाघव विराम चिह्न का प्रयोग संक्षिप्त शब्दों को लिखते समय करते हैं।
5. रमेश, तुम क्या कर रहे हो।

6. अल्प विराम।

7. उद्धरण (“ ”)

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. शब्दों और वाक्यों का परस्पर संबंध बताने तथा किसी विषय को भिन्न-भिन्न भागों में बाँटते और पढ़ते समय उपर्युक्त विराम पाने के लिए रचनाओं में जिन चिह्नों को प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम-चिह्न कहते हैं। यह पंद्रह प्रकार के होते हैं।

2. विराम-चिह्न वाक्य में पद, वाक्यांश और खण्ड-वाक्य के पारस्परिक संबंध को सूचित करने के अतिरिक्त उनके अर्थों को विधिवत् स्पष्ट करते हैं। कभी-कभी विराम-चिह्न के अभाव में वाक्यार्थ ही समझ में नहीं आता और कभी-कभी अर्थ का अनर्थ हो जाता है। इस कारण वाक्यों में विराम्-चिह्नों को उपयुक्त स्थानों पर प्रयुक्त करने का अभ्यास करना अनिवार्य हो जाता है।

3. विराम चिह्नों के उदाहरण -

1. पूर्ण विराम चिह्न (।) - (i) तुम जा रहे हो।
(ii) मैं ठीक हूँ। (iii) खाना बन गया है।

2. अल्प विराम चिह्न (,) - (i) रमेश, महेश और सुरेश घूमने गए।
(ii) अजय, अमित और अनिल उनके तीन पुत्र हैं।
(iii) मैं, मेरी बहन और पिताजी दिल्ली गए।

3. अर्द्ध विराम चिह्न (;)- (i) वह माफी माँगता रहा, लोग उसे मारते रहे।
(ii) जो उस पर विश्वास नहीं करते; वह उन्हें भी प्यार करता है।
(iii) जब मेरे पास समय होगा; तब मैं आपसे मिलने आऊँगा।

4. प्रश्नवाचक चिह्न (?) - (i) तुम कब आओगे?
(ii) क्या वह कहीं जा रहा है?
(iii) तुम्हारा क्या नाम है?

5. विस्मयादिबोधक चिह्न (!) - (i) अरे! वह पास हो गया।
(ii) वाह ! तुम धन्य हो। (iii) शाबाश! तुम जीत गए।

6. उद्धरण चिह्न (“ ”) - (i) “रामचरित मानस” एक धार्मिक ग्रंथ है।

(ii) गांधी जी ने कहा, ''सत्य ही ईश्वर है।''

(iii) ''साहित्य राजनीति के आगे चलने वाली मशाल हैं।'' प्रेमचंद

7. योजक चिह्न (-) - (i) राम और रहीम मे घर आस-पास है।

(ii) सुख-दुख तो जीवन के आते रहते हैं।

(iii) वह दिन-रात मेहनत करके पढ़ा है।

8. निर्देशक चिह्न (—) - (i) ऐसा लग रहा है—मैं बूढ़ा हो गया हूँ।

(ii) टी.टी. —तुम्हारा टिकट कहाँ है ?

छात्र—वह कही गिर गया है।

(iii) निम्नांकित वाक्यों को पढ़िए—

9. अपूर्ण विराम चिह्न (:)-(i) तुलसीदास : एक अध्ययन

(ii) विज्ञान : वरदान या अभिशाप

(iii) जल प्रदूषण : समस्या व समाधान

10. विवरण चिह्न (: -) - (i) वचन के दो भेद होते हैं:-एकवचन, बहुवचन।

(ii) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर लिखिए-

(iii) संज्ञा के मुख्य तीन भेद होते हैं - व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा तथा भाववाचक संज्ञा।

11. संक्षेप सूचक का लाघव चिह्न (०) -(i) डॉ० (डॉक्टर)

(ii) प्रो० (प्रोफेसर) (iii) दि०वि० (दिल्ली विश्वविद्यालय)

12. समानता सूचक चिह्न (=) (i) तप: + वन =तपोवन

(i) सूर्य (i) ए सूरज = सूरज (i) कृतध्न = उपकार न मानने वाला

13. त्रुटिपूरक चिह्न ( ) - (i) मेरे पास बहुत-से खिलौने हैं।

(ii) तुम कितने बजे तक आओगे ?

(iii) उसके घर का पता भेज दीजिए।

4. भाषा में विराम-चिह्नों का बहुत महत्व है। यदि हम विराम-चिह्न न लगाएँ तो कभी-कभी अर्थ का अनर्थ हो जाता है। यदि विराम चिह्नों का प्रयोग न

किया जाए, तो भाव या विचार की स्पष्टता में रूकावट पैदा हो जाती है। इससे भावार्थ में सुंदरता और स्पष्टता आती है।

उदाहरण – 1. लिखो, मत पढ़ो।   2. लिखो मत, पढ़ो।

5. निर्देशक चिह्न का प्रयोग किसी विषय के साथ उससे संबंधित अन्य बातों की जानकारी देने के लिए किया जाता है, जबकि योजक चिह्न का प्रयोग दो समान या विपरीत अर्थ वाले शब्दों को जोड़ने के लिए किया जाता है।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए–

1. तुल्यतासूचक चिन्ह (=) – यह चिह्न समानता के अर्थ में प्रयुक्त होता है; जैसे–   रात्रि = निशा   अचला = पृथ्वी   दिन = दिवस

   कोष्ठक ( )/ []/{} –किसी वाक्य में किसी शब्द–विशेष को सुस्पष्ट करने के लिए 'कोष्ठक' का प्रयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त किसी पद का अर्थ प्रकट करने के लिए या किसी वाक्यांश का अर्थ प्रकट करने के लिए, नाटक में पात्र का क्रिया आदि का चित्रण करने के लिए कोष्ठक का प्रयोग किया जाता है। जैसे – सतेंद्र (उत्सुकता से) – ''ये किताबें नई हैं।''

2. विराम–चिह्न कभी–कभी अर्थ का अनर्थ उस समय कर देते हैं, जब हम उनको गलत स्थान पर प्रयोग करते हैं। विराम चिह्नों के प्रयोग से वक्ता के अभिप्राय में अधिक स्पष्टता का बोध होता है परंतु विराम–चिह्नों के बदलने से अर्थात अनुचित प्रयोग से वाक्य का अर्थ भी बदल जाता है।

   उदाहरण – उसे रोको मत, जाने दो।

   उसे रोको, मत जाने दो।

3. प्रश्न 'ख' का उत्तर 3 देखें।

4. विराम–चिह्न वाक्य में पद, वाक्यांश और खण्ड–वाक्य के पारस्परिक संबंध को सूचित करने के अतिरिक्त उनके अर्थों को विधिवत् स्पष्ट करते हैं। कभी–कभी विराम–चिह्न के अभाव में वाक्यार्थ ही समझ में नहीं आता और कभी–कभी अर्थ का अनर्थ हो जाता है। इस कारण वाक्यों में विराम्–चिह्नों को उपयुक्त स्थानों पर प्रयुक्त करने का अभ्यास करना अनिवार्य हो जाता है।

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए –

1. गल्ती, कमी   2. समानता   3. पूरा   4. कम

पाठ–17 : शब्द तथा वाक्य संबंधी शुद्धियाँ

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. श्रृंखला   2. क्षुब्ध   3. ऐतिहासिक

4. कलश   5. अर्पण   6. आध्यात्मिक

7. मैं आपसे कल मिलूँगा।   8. तुम्हें क्या चाहिए ?

9. मेज पर पुस्तक रखी है।   10. आपको वह कार्य अवश्य करना चाहिए।

ख. नीचे लिखे वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए–

1. वह दिनभर पढ़ता रहा।
2. यहाँ केवल चार पेड़ हैं।
3. क्या वह पढ़ते हैं ?
4. तुम्हें अवश्य घूमना चाहिए।
5. हम सभी गाँव जा रहे हैं।
6. कोयल कू–कू कर रही है।
7. हरीश चुनाव में हार गया।
8. वह कल दिल्ली जा रहा है।
9. मदन ने मोहन को दो सौ रुपये दिये।
10. मैं गाँव नहीं जाऊँगा।

ग. सही वाक्य के सामने सही (✓) तथा गलत वाक्य के सामने गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

1. (✓)   2. (✗)   3.(✓)

4.(✗)   5. (✗)

घ. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके खाली स्थान में भरिए–

1. व्यावहार–व्यवहार   चँचल–चंचल   आर्शीवाद–आशीर्वाद

पूरति–पूर्ति   गूंबद–गुंबद   परीछा–परीक्षा

हथीयार–हथियार   बंदना–वंदना

ङ. शुद्ध तथा अशुद्ध शब्दों को छाँटकर अलग–अलग लिखिए–

शुद्ध शब्द   अशुद्ध शब्द   शुद्ध शब्द   अशुद्ध शब्द

वैकल्पिक	पृथवी	वृक्ष	सुक्ति
सेना	एश्वर्य	सृष्टि	कोन
चाँदी	कंठ	गृहस्थी	प्रथक
सूक्ति	पहुँच		

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-

1. धैर्य
2. शुचि
3. 'गंगा तेरा पानी अमृत।
4. मिट्‌टी
5. वह आपकी पैतृक संपत्ति है।
6. 'गृहस्थी'

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. हमें शुद्‌ध उच्चारण करना आवश्यक है, ताकि अर्थ के अनर्थ से बचा जा सके। शुद्‌ध उच्चारण से शब्द का अर्थ स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है।
2. जो शब्द हिंदी व्याकरण के नियमों को पूरा करते हुए वर्तनी की दृष्टि से सटीक हों, शुद्‌ध शब्द कहलाते हैं। उदाहरण - व्यय, समृद्‌ध आदि।

   वाक्य में लिंग, वचन, पुरुष, काल, कारक, आदि का क्रिया के साथ ठीक-ठीक मेल हो उसे शुद्‌ध वाक्य कहते हैं।

   उदाहरण - 1. वे लौट आए हैं ।   2. बाघ एक भयानक जानवर है।
3. भाषा में शुद्‌ध उच्चारण का बहुत महत्व होता है। शुद्‌ध उच्चारण ही किसी भाषा-विशेष के ज्ञान का प्रथम चरण होता है। शुद्‌ध उच्चारण न कर पाने के कारण हम उपहास-पात्र भी बन जाते हैं। प्रायः हम जैसा उच्चारण करते हैं वैसा ही लिखते हैं। अतः लिखित भाषा में भी वे दोष आ जाते हैं। अतः शुद्‌ध उच्चारण से भाषा का स्वरूप बिखरता है।
4. हम कभी-कभी शुद्‌ध उच्चारण करते समय मात्रा लगाने में यह गलती कर बैठते हैं, कि किसी वर्ण की छोटी मात्रा के स्थान पर बड़ी मात्रा का प्रयोग कर देते हैं या बड़ी मात्रा के स्थान पर छोटी मात्रा का प्रयोग कर देते हैं।

उदाहरण- वधु - वधू (शुद्ध शब्द)   पेर - पैर (शुद्ध शब्द)

वस्तू - वस्तु (शुद्ध शब्द)

5. हर भाषा में वर्तनी को लिखने का एक तरीका होता है और लिखते-लिखते हम से कई प्रकार की गलतियाँ भी होती है। अतः सही तरह से लिखा गया शब्द शुद्ध है और वर्तनी में गलती अशुद्ध शब्द हैं।

अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द	अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द
पियूष	पीयूष	पूर्वान्ह	पूर्वाह्न
प्रयाप्त	पर्याप्त	प्रथ्वी	पृथ्वी

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए-

1. भाषा में शुद्ध उच्चारण का बहुत महत्व होता है। शुद्ध उच्चारण ही किसी भाषा-विशेष के ज्ञान का प्रथम चरण होता है। शुद्ध उच्चारण न कर पाने के कारण हम उपहास-पात्र भी बन जाते हैं। प्रायः हम जैसा उच्चारण करते हैं वैसा ही लिखते हैं। अतः लिखित भाषा में भी वे दोष आ जाते हैं। अतः शुद्ध उच्चारण से भाषा का स्वरूप बिखरता है।

2. वाक्य संबंधी अशुद्धियाँ दस प्रकार की होती हैं -

1. 'संज्ञा' संबंधी अशुद्धियाँ   2. 'सर्वनाम' संबंधी अशुद्धियाँ

3. 'विशेषण' संबंधी अशुद्धियाँ

4. 'क्रिया' संबंधी अशुद्धियाँ

5. 'क्रियाविशेषण' संबंधी अशुद्धियाँ

6. 'वचन' संबंधी अशुद्धियाँ

7. 'लिंग' संबंधी अशुद्धियाँ

8. 'अव्यय' संबंधी अशुद्धियाँ

9. 'लिंग-वचन' संबंधी अशुद्धियाँ

10. 'पुनरुक्ति' संबंधी अशुद्धियाँ

'क्रियाविशेषण' संबंधी अशुद्धियाँ

1. धीरे उसको सफलता मिलने लगी।   (अशुद्ध वाक्य)

धीरे-धीरे उसको सफलता मिलने लगी। (शुद्ध वाक्य)

2. भगवान जहाँ है।   (अशुद्ध वाक्य)

भगवान सर्वत्र हैं।   (शुद्ध वाक्य)

3. ‘लिंग’ संबंधी अशुद्धियाँ–

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
मीरा ने प्रकृति का सौंदर्य देखा।	1. मीरा ने प्रकृति की शोभा देखी।

‘वचन’ संबंधी अशुद्धियाँ–

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
विद्यार्थी ने पुस्तक पढ़ी।	विद्यार्थी ने पुस्तकें पढ़ीं।

‘संज्ञा’ संबंधी अशुद्धियाँ–

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
मैं तुमसे रविवार के दिन मिलूँगा।	मैं तुमसे रविवार को मिलूँगा।

‘क्रियाविशेषण’ संबंधी अशुद्धियाँ–

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
खरगोश धीरे से सो गया।	खरगोश जल्दी सो गया।

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. ऐच्छिक 2. निर्माण, रचना

3. आधिपत्य 4. अलग

पाठ–18 : तद्भव तथा तत्सम शब्द

खण्ड ‘क’

क. सही विकल्प पर सही ‘✓’ का चिह्न लगाइए–

1. अचरज 2. कोण 3. अमूल्य

4. अशीति 5. अनूठा 6. अँधेरा

7. नारिकेल 8. मच्छर 9. घोड़ा

10. चोर

ख. सही उत्तर को रेखांकित कीजिए–

क	ख
1. बहू	क. वधू
2. पीपल	ग. पिप्पल
3. बंदर	ख. वानर

4. पूरब ङ. पूर्व

6. परख घ. परीक्षा

6. फूल छ. फुल्ल

7. पीठी च. पीठिका

ग. जो शब्द तत्सम हैं, उनके सामने उनके तत्सम रूप तथा जो तद्भव हैं, उनके सामने उनके तद्भव रूप लिखिए-

आमचूर-आम्रचूर्ण	चंद्रिका - चाँदनी	पूत - पूत्र
युक्ति-जुगति	आशीष- आशिष	दैव-भाग्य
बालू- बालुका	प्रस्तर - पत्थर	ग्वाला- गोपालक
एकल - अकेला	उत्साह - हुलास	स्थल - थल
कोण - कोना	गृहिणी-धरनी	

घ. निम्नलिखित शब्दों के तत्सम शब्द लिखिए-

अजान - अज्ञान	गेंद - कंदुक	अस्तुति - स्तुति
ग्वाला - गोपालक	अखरोट - अक्षोट	गौना - गमन
अदरक - आर्द्रक	किवाड़ - कपाट	अकेला - एकल
ऐसा - ईदृश	क्यों - किंपुनः	ईंधन - ईंधन
आधा - अद्‌र्ध	आँवला - आमलक	

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. 'मुँह' शब्द का तत्सम रूप मुख है।
2. 'साक्षी' शब्द का तद्भव रूप साखी है।
3. 'तलवार- शब्द का तत्सम रूप तरवारि है।
4. 'युक्ति' शब्द को अंग्रेजी में ट्रिक कहते हैं, 'युक्ति' का तद्भव रूप जुगति है।
6. 'उल्लू' शब्द का तत्सम रूप उलूक है।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छह पंक्तियाँ में लिखिए -

1. जो शब्द संस्कृत भाषा से आए हैं और ज्यों के त्यों हिंदी भाषा में प्रयुक्त होते हैं, तत्सम शब्द कहलाते है। जैसे - अग्नि, वर्षा, कृपा आदि शब्द।
2. तद्भव शब्द ; तत् + भव से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है - 'विकसित

या उससे उत्पन्न'। वे शब्द जो संस्कृत से उत्पन्न या विकसित हुए हैं, तद्भव शब्द कहलाते हैं।

3. गोपालक, गमन, कंदुक,
   गौ, उलूक

4. अच्छर, अंजान, अगुवा
   अस्सी अस्तुति

5. तत्सम शब्द – जो शब्द संस्कृत भाषा से आए हैं और ज्यों के त्यों हिंदी भाषा में प्रयुक्त होते हैं, तत्सम शब्द कहलाता है। जैसे – अग्नि, वर्षा, कृपा आदि शब्द।

   तद्भव शब्द – वे शब्द जो संस्कृत से उत्पन्न या विकसित हुए हैं, तद्भव शब्द कहलाते हैं। जैसे – अग्नि, बरसा, किरपा आदि शब्द।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. जो शब्द संस्कृत भाषा से आए हैं और ज्यों के त्यों हिंदी भाषा में प्रयुक्त होते हैं, तत्सम शब्द कहलाते है। जैसे – अग्नि, वर्षा, कृपा आदि शब्द।

2. तद्भव शब्द – वे शब्द जो संस्कृत से उत्पन्न या विकसित हुए हैं, तद्भव शब्द कहलाते हैं। जैसे – अग्नि, बरसा, किरपा आदि शब्द।

   तत्सम शब्द – जो शब्द संस्कृत भाषा से आए हैं और ज्यों के त्यों हिंदी भाषा में प्रयुक्त होते हैं, तत्सम शब्द कहलाता है। जैसे – अग्नि, वर्षा, कृपा आदि शब्द।

3. अक्षर, अज्ञान, अग्रणी
   अशीति, स्तुति, अंधकार
   अंब, कोण, अर्ध
   आभूषण, अधीन, गणना,
   अमूल्य, अंश, एकल

4. (i) अचरज – ताजमहल की खूबसूरती को देखकर हर कोई अचरज करता है।

   (ii) अनाज – हमें अनाज को व्यर्थ नहीं करना चाहिए।

   (iii) अँधेरा – अँधेरे में रात में बाहर जाने से डर लगता है।

   (iv) चाँद – चाँद की रोशनी से आकाश जगमगा रहा था।

(v) मुँह – ब्रुश ना करने से मुँह से बदबू आती है।

(vi) गाँव – गाँव के लोग हष्ट-पुष्ट होते हैं।

(vii) पड़ोसी – हमारे नये पड़ोसी बहुत अच्छे हैं।

(viii) कौआ – पेड़ पर कौआ बैठा है।

(ix) आभूषण – माँ ने सोने के नए आभूषण बनवाए।

(x) होली – होली में सबने गुजिया, समोसे खाए।

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए –

1. उत्साह 2. चोरी के उद्देश्य से दीवार में किया गया छेद

3. धनी 4. सौ

ङ. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए –

1. स्वर्णकार स्वर्ण का सामान बनाता है।
2. होलिका दहन पर रंग से खेला जाता है।
3. सौ वर्ष को शताब्दी वर्ष कहा जाता है।
4. 'राख' का तत्सम रूप 'क्षार' है।
5. हरिद्रा खाने में कड़वी होती है।

पाठ-19 : समोच्चारित भिन्नार्थक शब्द

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

1. समोच्चारित भिन्नार्थक शब्द		2.समध्वन्यात्मक शब्द
3. नब्ज	4. अनाज	5. मानव
6. कमल-नाल	7. मद्य	8. पवित्र
9. सत्य	10. प्रेम	

ख. सही अर्थ तक रेखा खींचकर सही जोड़े बनाइए –

स्तम्भ 'अ'	**स्तम्भ 'ब'**
1. वर	घ. वरदान
2. विस	ज. कमल-नाल
3. निसान	क. झण्डा

4. विष　　　　छ. जहर

5. भवन　　　　च. मकान

6. भुवन　　　　ङ. संसार

7. बर　　　　ग. वट

8. निशान　　　　ख. चिह्न

ग. कोष्ठकों से उचित शब्द चुनकर वाक्य-युग्म के खाली स्थानों में भरिए-

1. अपेक्षा, उपेक्षा　　2. अंगना, अँगना　　3. परिणाम, परिमाण

4. समान, सामान　　5. भुवन, भवन

घ. सत्य/असत्य लिखिए-

1. सत्य　　2. असत्य　　3. असत्य

4. सत्य

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए -

1. समोच्चरित शब्दों की पहचान इस प्रकार करेंगे कि इनका उच्चारण तथा वर्तनी समान होता है तथा अर्थ भिन्न-भिन्न होते हैं।
2. समोच्चरित शब्दों के अर्थ भिन्न-भिन्न प्रकार के होते हैं।
3. समोच्चरित भिन्नार्थक शब्दों के अर्थ न्यूनतम दो होते हैं।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच-छह पंक्तियों में लिखिये-

1. समोच्चरित शब्दों को भिन्नार्थक शब्द कहते हैं क्योंकि इनके अर्थ भिन्न-भिन्न होते हैं।
2. अंस - कंधा　　　　अभिराम - सुंदर

   अंश - भाग/हिस्सा　　　　अविराम - लगातार

   इंत्र - सुगंध　　　　ज़रा - बुढ़ापा

   इतर - दूसरा　　　　जरा - थोड़ा / अल्प

   हंस - एक पक्षी　　　　ऋत - सत्य

   हँस - हँसने की क्रिया　　　　ऋतु - मौसम

   ओर - तरफ

   ओर - तथा
3. कुछ शब्दों के उच्चारण तथा वर्तनी मिलते-जुलते होने के कारण

कभी-कभी समान लगते हैं, किन्तु उनका अर्थ भिन्न-भिन्न होता है इन शब्दों को भिन्नार्थक या समोच्चारित शब्द कहते हैं।

4. 1. पृथ्वी को नीला **ग्रह** भी कहते हैं।
   हमने आज नए घर में **गृह** प्रवेश किया।
   2. श्री राम का जन्म रघु **कुल** में हुआ था।
   नदी के **कूल** पर नाव थी।
   3. हम सब अपने किए का **परिणाम** भुगतते हैं।
   चीनी के थैले का **परिमाण** दस किलोग्राम है।
   4. माँ बाजार से **सामान** खरीदकर लाई।
   हमें अमीर-गरीब सभी को एक **समान** समझना चाहिए।
   5. आज बाजार में बहुत सारा **अन्न** बिका।
   कोई **अन्य** व्यक्ति सुबह से फोन कर रहा है।

ग. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-

1.	कपी	घिरनी	कपि	बंदर
2.	इत्र	सुगंध	इतर	दूसरा
3.	ओर	तरफ	और	तथा
4.	अपेक्षा	आवश्यकता, इच्छा	उपेक्षा	तिरस्कार
5.	ज़रा	थोड़ा-सा	जरा	बुढ़ापा
6.	फुट	मापने की इकाई	फूट	कलह - कलेश हो जाना
7.	गृह	घर	ग्रह	सूर्य, चंद्र आदि
8.	कोश	शब्द-संग्रह	कोष	खजाना
9.	छत्र	छाता	क्षत्र	क्षत्रिय
10.	रिस	क्रोध	रीस	ईर्ष्या

पाठ-20 : वाक्यांशों के लिए एक शब्द

खण्ड क

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

1. अतिवृष्टि 2. ईशान कोण 3. भिति चित्र

4. कृतघ्न 5. प्रदोष 7. अंतर्ज्ञान

7. आकाश और धरती के मध्य का स्थान

8. जो अपने आप उत्पन्न हुआ हो

9. जिस बात का वर्णन न किया जा सके

10. जो केवल अपना हित चाहता हो

11. स्पष्टवक्ता 12. देशद्रोही 13. षट्पद

14. उद्भिज 15. अण्डज 16. शताब्दी

17.नीति से संबंधित 18. वैदिक 19. त्रैमासिक

20. सुबह चार बजे के आस-पास का समय

ख. सही जोड़े बनाइए-

1. तेज बुद्धि वाला	च. कुशाग्रबुद्धि
2. जो सबको एकसमान देखें	ङ. समदर्शी
3. आदि से अंत तक	घ. आद्योपांत
4. जो हमेशा रहे	ग. शाश्वत
5. जो कड़वा बोले	क. कटुभाषी
6. जिसे कभी बुढ़ापा न आए	ख. अजर

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-

1. जो बहुत कम बोलता है।
2. व्यर्थ का प्रदर्शन
3. आशातीत
4. त्रिकालज्ञ
5. लालायित
6. लेखाकर
7. जो मध्य वर्ग का हो

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. शबदों के समूह को वाक्यांश कहते हैं।
2. अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द को प्रयुक्त करना ही वाक्यांश के लिए एक शब्द है।

उदाहरण – 1. गोद लिया हुआ पुत्र – दत्तक

2. जो भारत में रहता हो – भारतीय

3. जो क्रम के अनुसार हो – यथाक्रम

3. छात्र स्वयं करें।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. छात्र स्वयं करें।
2. वाक्यांशों के स्थान पर एक शब्द लिखने से भाषा प्रभावशाली व बलिष्ठ हो जाती है।
3. वाक्यांश के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग करने से निम्न लाभ होते हैं–

(क) भाषा प्रभावशाली व बलिष्ठ हो जाती है।

(ख) लिखने वाले को लिखने की बचत, तथा कहने वाले को समय की बचत होती है।

उदाहरण – 1. गोद लिया हुआ पुत्र	– दत्तक
2. जो भारत में रहता हो	– भारतीय
3. जो क्रम के अनुसार हो	– यथाक्रम
4. वस्तुओं की बिक्री करने वाला	– विक्रेता
5. केवल फल खाने वाला	– फलाहारी

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. गोद लिया पुत्र 2. व्याकरण का विद्वान 3. जो दिखाई न दे।

4. खाने के बाद का बचा–खुचा 5. ऐसा आचरण जो मनुष्योचित न हो

6. तीनफल

पाठ–21 : शब्द–युग्मों के सूक्ष्म अर्थ–भेद

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. उद्देश्य	2. अवरोध	3. पत्नी
4. कुख्यात	5. बहुमूल्य	6. निषेध
7. मापदंड	8. परीक्षा लेना	9. होने वाला
10. अर्चना		

ख. इन्हें सुमेलित कीजिए –

अ	ब
1. विद्वान वक्ता द्वारा किसी विषय को समझाकर सुनना	ख. व्याख्यान
2. किसी समूह के सम्मुख विचार प्रकट करना	क. भाषण
3. आगामी	घ. आने वाला
4. भावी	ग. होने वाला
5. निद्रा	च. सो जाना
6. तन्द्रा	ङ. ऊँधना

ग. निम्नलिखित वाक्यों में कोष्ठक में दिए गए सही शब्दों पर सही का चिह्न (✓) लगाइए–

1. पत्नी	2. व्यर्थ	3. व्याधि
4. गर्व	5. पर्याप्त	6. निद्रा
7. आनंद		

घ. नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से खाली स्थान भरिए –

1. स्पर्धा	2. लालसा	3. भक्ति
4. ग्लानि	5. संदेह	6. परिश्रम

खण्ड 'ख'

क. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. हमारे दैनिक जीवन में कुछ इस प्रकार के शब्द प्रयोग में आते हैं, जिनके अर्थों में बहुत कम अंतर का आभास होता है अर्थात् कुछ पर्यायवाची शब्दों के अर्थ से मिलते–जुलते होते हैं, किंतु फिर भी उनके अर्थ में अल्पांतर होता है। इन्हें शब्द–युग्मों से सूक्ष्म अर्थ–भेद के नाम से जाना जाता है।

   उदाहरण – प्रणाम – अपनों से बड़ों को की जाने वाली दण्डवत नमस्कार।

   नमस्कार – अपने बराबर वालों को की जाने वाली नमस्ते।

2. 1. अनुपम – किसी अन्य से जिसकी उपमा न दी जाए।

   अद्‌वितीय – जिसकी बराबरी का दूसरा न हो।

   2. अनोखा – जो सहसा सभी जगह देखने में न आता हो।

   अनूठा – कोई वस्तु जो अपनी ही जाति की सभी वस्तुओं से अधिक विशेषता रखने के कारण प्रिय हो।

   3. अस्त्र – वह हथियार जिसे हाथ से फेंककर शत्रुओं पर प्रहार किया जाता है।

शस्त्र – वह हथियार जिसे हाथ में लेकर प्रयोग किया जाता है।

4. आज्ञा – आदेश, जैसे– सेनानायक ने आक्रमण करने की आज्ञा दी।

अनुमति – जैसे –पति ने पत्नी की शहर जाने की अनुमति प्रदान की।

5. आगामी – आगे आने वाला।

भावी – आगे होने वाला।

ख. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. शत्रुता 2. जलन 3. मूर्ख, गँवार
4. अनपढ़ 5. जिसका मूल्य न हो 6. अधिक कीमतवाला
7. रंज 8. तकलीफ
9. फेंककर चलानेवाला हथियार 10. खतरनाक हथियार
11. स्वीकृति 12. आज्ञा
13. मनन करनेवाला व्यक्ति 14. साधु 15. झूठ बोलने वाला
16. छेद, कटाव 17. हँसी 18. कमी
19. भाषण, टीका करना 20. कथन, संबोधन 21. आनेवाला
22. भविष्य में होनेवाला 23. महिला, औरत
24. किसी की विवाहिता स्त्री
25. परिमाण, मानदण्ड
26. नापने की क्रिया या भाव
27. मानसिक और बौद्धिक गुणों की अर्जित शक्ति को कहते हैं।
28. व्यक्ति के सामर्थ्य द्वारा अर्जित शक्ति

पाठ–22 : विलोम शब्द

रचनात्मक निर्धारण

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. दुर्जन 2. तीव्र 3. तपन
4. अंधकार 5. कुरूप 6. दीर्घ
7. कनिष्ठ 8. अवरोही 9. निरादर करना
10. बाह्य 11. अवज्ञा 12. मुखर
13. मैं खलनायक हूँ

14. तुम बहुत धैर्यवान हो।

15. काल्पनिक

ख. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए-

खिलना - मुरझाना	फूल - काँटा	अतिवृष्टि-अल्पवृष्टि
तीव्र-मंद	प्राचीन-नवीन	शुद्धि-अशुद्धि
आकर्षण-विकर्षण	रक्षक-भक्षक	शकुन-अपशकुन
नीति-अनीति	आयात-निर्यात	साकार-निराकर
सक्षम-अक्षम	आदर-निरादर	मोक्ष-बंधन
चोर-पुलिस	प्रमुख - गौण	पात्र - कुपात्र

ग. 'नि' तथा 'अ' लगाकर पाँच-पाँच विलोम शब्द लिखिए-

साक्षर-निरक्षर	सत्य-असत्य	सबल-निर्बल
पूर्ण-अपूर्ण	आशा-निराशा	पवित्र-अपवित्र
आकार-निराकार	गोचर-अगोचर	आदर-निरादार
सभ्य-असभ्य		

घ. नीचे दिए गए शब्दों को उनके विलोम शब्दों सहित दुहरे वाक्यों का प्रयोग कीजिए -

1. वर्तमान काल में अकाल से लोगों के मरने की संख्या बढ़ने लगी।
2. मेरा अपने पड़ोसियों से कुछ भी लेना-देना नहीं है।
3. बेटी की शादी की तैयारियों में माता-पिता सोना-जागना ही भूल गए हैं।
4. जय और पराजय किसी भी खेल के दो हिस्से हैं।
5. सर्दियों में गुप्त सूर्य बहुत दिनों बाद प्रकट हुआ है।
6. भारतीयों ने स्वदेशी वस्तुओं का समर्थन करके विदेशी वस्तुओं का विरोध किया।

ङ. निम्नलिखित का सही मिलान कीजिए-

'अ'	**'ब'**
1. आय	घ. व्यय
2. रक्षक	ङ. भक्षक
3. छल	ख. निश्चल
4. शिष्ट	च. अशिष्ट

5. रुदन　　　　　　　क. ह्रास

6. स्थूल　　　　　　　ग. सूक्ष्म

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. 'सामान्य' शब्द का विपरीतार्थक विशिष्ट है।
2. प्राचीन का विलोम शब्द नवीन है।
3. 'मोक्ष' शब्द का विलोम बंधन है।
4. विलोम शब्दों का दूसरा नाम विपरीतार्थक शब्द है।
5. वे शब्द जो किसी शब्द का विपरीत अथवा उलटा अर्थ प्रकट करते हैं, विलोम शब्द कहलाते हैं।
6. पक्ष –विपक्ष

   ज्येष्ठ – कनिष्ठ

   ह्रस्व – दीर्घ

   सज्जन – दुर्जन

   आरोह – अवरोह
7. 'अतिवृष्टि' का विलोम शब्द–अल्पवृष्टि

   अल्पवृष्टि के कारण खेत सूख गए।
8. 'आकर्षण' शब्द विलोम शब्द विकर्षण होता है।

ख. इन वाक्यों को विपरीतार्थक करके पुनः लिखिए-

1. मैंने यह मैच हारा है।
2. इस बार हमारा व्यय बहुत हुआ है।
3. रामू; अवधेश का स्वामी है।
4. आज हमारी मौखिक परीक्षा है।
5. मैं इस कार्य को करने में समर्थ हूँ।
6. मेरा राशन कार्ड अवैध है।
7. अभय का घर स्थायी है।
8. हमें अपने से बड़ों का निरादर करना चाहिए।
9. यह गाड़ी चार बजे आगमन करेगी।
10. यह प्रश्न बिलकुल प्राचीन है।

पाठ–23 : पर्यायवाची शब्द

रचनात्मक निर्धारण

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. अभ्यंतर 2. श्रंग 3.क्षणभंगुर

4. विनायक 5. भेंट 6. स्वर्ण

7. व्रषभानुजा 8. अर्ज 9. दीप्ति

10. पाठशाला 11. शारदा 12. आयसु

14. ग्राम–पुरवा 15. असि–विस्मय

ख. नीचे दिए गए वर्ग में से शब्द छाँटकर उनको उनके समूहों में वर्गीकृत कीजिए–

अभिप्राय – तात्पर्य, मतलब, मायने

प्रकाश –ज्योति, आलोक, चमक

चाँदनी – चंद्रिका, कौमुदी, ज्योत्सना

झोपड़ी – झुग्गी, झोपड़ा, कुटिया

पड़ोसी –हमसाया, प्रतिवासी, प्रतिवेशी

ग. सही जोड़े बनाइए–

1. रण, युद्ध घ. संग्राम, लड़ाई

2. आरंभ, आदि क. प्रारंभ, अथ

3. श्रेष्ठ, महान ख. वरिष्ठ, बड़ा

4. देश, राष्ट्र ग. कौम, तंत्र

घ. निम्नलिखित शब्द–समूहों के सामने उनसे मिलता–जुलता शब्द लिखिए–

1. विद्यालय 2. विनती 3. आश्चर्य

4. छानबीन 5. समुद्र 6. सहानुभूति

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. 'अभिमान' शब्द के पर्यायवाची – अहं, अहंकार, गर्व।

2. ईश्वर – प्रभु, भगवान, परमात्मा माता – माँ, जननी, अम्बा
   विष्णु – नारायण, दामोदर, केशव, माधव, गोविंदा

3. पर्यायवाची को समानार्थक शब्द के नाम से पुकारते हैं।

4. अर्थ की दृष्टि से जो शब्द एकसमान होते हैं, वे पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं अर्थात् समान अर्थ बताने वाले शब्द समानार्थक या पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।
5. संसार – विश्व, जगत   लक्ष्मी – कमला, रमा   जय – जीत, विजय
6. दक्ष – निपुण, कुशल, होशियार
   वाक्य प्रयोग – निपुण – मेरी सखी संगीत कला में निपुण है।
   कुशल – वह कताई और बुनाई में कुशल है।
   होशियार – रमा बहुत होशियार लड़की है।
7. हाथी– गज, हस्ती, गजेन्द्र   फूल– पुष्प, कुसुम, सुमन
   वर्षा – बारिश, बरसात, वृष्टि   समुद्र – जलधि, सागर, उदधि
   घोड़ा – बाजि, तुरंग, घोटकर
8. उत्तम– उत्कृष्ठ, अच्छा, श्रेष्ठ   क्रोध – गुस्सा, आक्रोश, रोब
   दिन – दिवस, वार, दिवा
   (वाक्य छात्र स्वयं बनाएं)

ख. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए-

1. सच्चरित्र – सदाचारी, चरित्रवान, चरित्रशील
2. स्वाधीनता – स्वतंत्रता, आजादी, मुक्ति
3. ब्रह्माण्ड – दुनिया, जगत, विश्व
4. अभिनेता – कलाकार, मंचनायक, सितारा
5. स्वर्ग – सुरलोक, देवलोक, परमधाम
6. आकाश – आसमान, नभ, गगन
7. पर्वत – गिरि, पहाड़, नग
8. नदी – सरिता, तटिनी, तरंगिनी

ग. निम्नलिखित वाक्यों में आए रंगीन शब्दों के पर्यायों को लिखकर उन्हें अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

1. उन्नति– हमारे देश ने बहुत उन्नति की है।
2. आदेश – पिताजी का आदेश मिलते ही मैं पढ़ने के लिए बैठ गया।
3. तट – गंगा तट पर बहुत रौनक थी।
4. दया – भगवान की दया से मेरा काम अच्छा चल रहा है।

5. भुजा – चतुर्भुज की चार भुजाएँ होती हैं।

घ. निम्नलिखित वाक्यों में आए रंगीन शब्दों के स्थान पर ऐसे पर्याय लिखकर वाक्य बनाइए जो कि स्पष्ट भावार्थ का बोध कराएँ –

1. नदी की लहरों में नहाना बहुत अच्छा लगता है।
2. हिमालय क्षेत्र भारत के उत्तर में स्थित है।
4. नीम का पत्ता फोड़े–फुंसियों के लिए सबसे अच्छी देशी दवा है।
5. शीत ऋतु में पहाड़ों में काफी कुहरा पड़ता है।

पाठ–24 : मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. आक्षेप/लांक्षन लगाना	2. भाग जाना	3. बहुत खुश होना
4. घबरा जाना	5. व्यर्थ बड़ाई करना	6. अच्छा न लगना
7. अधिकार जमाना	8. बुराई करना	9. एक हो जाना

10. खुशी मनाना
11. सच्चे इंसान को डरने की जरूरत नहीं
12. सर्वस्व नष्ट हो जाने पर भी अकड़ का न जाना
13. अच्छे कार्य का फल भी अच्छा
14. केवल बाहरी दिखावा
15. जो मिले उसी में खुश हो जाना

ख. निम्नलिखित अर्थों के लिए लोकोक्तियाँ लिखिए–

1. यह मुँह और मसूर की दाल	2. बहती गंगा में हाथ धोना
3. अंधा क्या चाहे दो आँख	4. कहाँ राजा भोज, कहाँ गंगू तेली

5. इतनी–सी जान, गजभर जुबान

ग. निम्नलिखित लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए–

1. अधिक मूल्य पर उधार बेचने से अच्छा कम मूल्य पर नगद बेचना है।
2. लेने का देना करना।
3. इंसान की कदर काम से होती हे, शक्त–ओ–सूरत से नहीं।
4. अपनी बुराई दिखाई न देना।

घ. निम्नलिखित मुहावरों को अपने वाक्यों में अर्थ सहित प्रयोग कीजिए–

1. घड़ों पानी पड़ना – अत्यधिक लज्जित

   वाक्य – पूरे मोहल्ले के सामने अमन को पुलिस पकड़कर ले गयी तो उसके माता–पिता पर घड़ों पानी पड़ गया।

2. चेहरा खिलना – खुश होना

   वाक्य – दसवीं में अच्छे नंबरों से उत्तीर्ण होने पर मोहित का चेहरा खिल गया।

3. भाँड़ा फूटना – बेनकाब होना

   वाक्य – भाँडा फूटने के डर से पंकज मीटिंग से उठकर चला गया।

4. साँप के बिल में हाथ डालना – मूर्खतापूर्ण कार्य करना; खतरे को दावत देना

   वाक्य –सीमा के पति ने बदमाशों से बहस करके साँप के बिल में हाथ डाला है।

5. तिल का ताड़ बनाना – छोटी–सी बात को बहुत बढ़ा–चढ़ा कर कहना

   वाक्य – कोई भी तिल का ताड़ बनाना तो हमारी पड़ोसिन से सीखे।

ग. कोई पाँच ऐसे मुहावरे लिखो जिनमें किसी पशु–पक्षी या प्राणी का नाम आया हो –

मुहावरा	अर्थ
1. गिरगिट की तरह रंग बदलना।	किसी बात पर स्थिर न रहना
2. बंदर घुड़की देना	झूठी धमकी
3. आस्तीन का साँप होना	धोखा देने वाला मित्र
4. अपना उल्लू सीधा करना	अपना स्वार्थ पूरा करना
5. पेट में चूहे कूदना	भूख लगना

च. निम्नलिखित अर्थों के लिए मुहावरे लिखिए–

1. आकाश–पाताल का अंतर होना
2. अपना उल्लू सीधा करना
3. इधर–उधर की हाँकना
4. गागर में सागर भरना
5. लोहा मानना
6. बाधा डालना
7. सामना करना; लोहा लेना
8. दाल न गलना
9. मैदान मारना
10. मिट्टी पलीद करना

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. श्रेष्ठता स्वीकार करना
2. नाक रगड़ना- विनती करना- चोरी करने पर पकड़े जाने पर रमेश ने पुलिस के सामने खूब नाक रगड़ी पर उसको माफ नहीं किया गया।
3. मुहावरा एक वाक्यांश होता है, जो भाषा को प्रवाहपूर्ण तथा साहित्यिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे भाषा सरस, रोचक तथा प्रभावशाली बन जाती है।
4. शाब्दिक अर्थ
5. वाक् पद्धति
6. 'यह मुँह और मसूर की दाल' –अपनी हैसियत से बढ़कर इच्छा करना
   छोटी–सी नौकरी करते हो और सपना हवेली में रहने का देखते हो, अर्थात् यह मुँह और मसूर की दाल।
7. लोक में प्रचलित उक्ति को लोकोक्ति कहा जाता है। किसी बात का प्रमाण देने, समझाने या उसको पुष्ट करने का सबसे प्रभावपूर्ण तरीका है – लोकोक्ति देना; ये अपने आप में पूर्ण होती है, जो वाक्य के रूप में होती है। इनका अर्थ दो प्रकार का होता है – 1. साधारण तथा 2. सांकेतिक
   उदाहरणार्थ – जैसी करनी वैसी भरनी।
   इस लोकोक्ति का अर्थ है – जो जैसा कर्म करेगा उसको वैसा ही फल मिलेगा।
8. 1. आप भला तो जग भला – स्वयं अच्छा होने पर दूसरे भी अच्छे लगना
   वाक्य – साधु पुरुष को सभी लोग अच्छे ही दिखते हैं। सच कहा है, आप भला तो जग भला।
   2. आम के आम गुठलियों के दाम – दुहरा लाभ
   वाक्य – गन्ने का रस तो वह बेचता ही है, उसका छीलन भी वह गौशाला वाले को बेच देता है, जिससे उसे आम के आम गुठलियों के दाम मिल जाते हैं।
   3. इस हाथ दे, उस हाथ ले – सम्मान देने से सम्मान ही मिलता है।
   उदाहरण – दूसरों का सम्मान करोगे तो स्वयं को भी सम्मान मिलेगा। ठीक

ही है इस हाथ दे, उस हाथ ले।

9. सामर्थ्य में रहकर कार्य करना चाहिए।

10. नौ नकद न तेरह उधार – नकद का बेचना उधार के बेचने से अच्छा है

    वाक्य – अच्छा व्यापारी वही समझा जाता है जो ग्राहक को दुकान से वापसी भेज देगा मगर कभी उधारी नहीं देगी। कहावत है – नौ नकद न तेरह उधार।

11. चोरी का सामान बेचना।

12. अंधों में काना राजा – कम पढ़े-लिखे लोगों के बीच में कुछ पढ़ा लिखा व्यक्ति।

    वाक्य – गाँव में दसवीं पास व्यक्ति भी अंधों में काना राजा होता है क्योंकि उसकी थोड़ी-सी योग्यता भी बड़ी मायने रखती है।